सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 78 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 31 दिसंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

18 दिन बाद समाप्त हुआ तमनार आंदोलन, तीन मांगों पर बनी सहमति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। रायगढ़ में तमनार आंदोलन ने प्रशासन और कॉरपोरेट सिस्टम दोनों की परीक्षा ले ली। 18 दिनों तक चले विरोध के बाद आखिरकार जिला प्रशासन को तीन प्रमुख मांगों पर सहमति देनी पड़ी, तब जाकर ग्रामीणों ने आंदोलन समाप्त किया।

गारे पेलमा सेक्टर-1 कोल ब्लॉक का आवंटन पहले गुजरात स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड को किया गया था। भू-अर्जन की जटिलताओं के चलते कंपनी ने कोल ब्लॉक सरेंडर कर दिया। इसके बाद हुई नीलामी में जिंदल पावर लिमिटेड को कोल ब्लॉक मिला। भूमि अधिग्रहण को लेकर बनी असहमति के कारण जनसुनवाई कराना यहां काफी कठिन हो गया था।

8 दिसंबर को आयोजित

जनसुनवाई के विरोध में ग्रामीणों ने आंदोलन शुरू किया, जो शनिवार को हिंसक घटनाओं में बदल गया। इसके बाद स्थिति को संभालने के लिए प्रशासन और ग्रामीणों के बीच लगातार बातचीत का दौर चला।

पहली, जनसुनवाई को निरस्त करने की मांग, जिस पर कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने सदस्य सचिव को पत्र भेजा। जिंदल पावर लिमिटेड की ओर से भी लिखित आश्वासन दिया गया। दूसरी मांग, आंदोलन के दौरान ग्रामीणों पर दर्ज एफआईआर को निरस्त करने की थी। तमनार थाने में दर्ज पांच एफआईआर को लेकर सहमति बनने की बात सामने आई है। तीसरी मांग, गांव के सेवारत कर्मचारियों के निलंबन को वापस लेने की थी, जिसे प्रशासन ने मान लिया। जब कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने खुद मोर्चा संभाला, तब जाकर समाधान संभव हो सका।

नए साल से छत्तीसगढ़ में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू, मिलेंगी 15 हजार नौकरियां

31 मार्च तक नक्सलवाद की पूर्ण विदाई का लक्ष्य, विकास भी सरपट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नव वर्ष में छत्तीसगढ़ में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू होने जा रहा है। नए साल में युवा बेरोजगारों के लिए भी अच्छी खबर है। 2026 में 15 हजार नए रोजगार के अवसरों का सृजन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ ने पहले ही 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त करने का टारगेट फिक्स कर रखा है।

साल 2026 में राज्य सरकार रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू करने की तैयारी कर चुकी है। इससे कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में पुलिस को अधिक अधिकार मिलेंगे। निर्णय प्रक्रिया पहले से ज्यादा तेज होगी।

फिलहाल कई मामलों में पुलिस को मजिस्ट्रेट या प्रशासनिक अनुमति लेनी पड़ती है, पुलिस कमिश्नर सिस्टम में यह प्रक्रिया सरल और त्वरित हो जाएगी। सरकार का मानना है कि तेजी से बढ़ती शहरी आबादी, ट्रैफिक दबाव और अपराध के बदलते स्वरूप को देखते हुए राजधानी में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू करना जरूरी हो गया है।

15 हजार रोजगार

छत्तीसगढ़ के बेरोजगार युवाओं के लिए साल 2026 नई उम्मीदें लेकर आ सकता है। सरकार की योजना के मुताबिक, छत्तीसगढ़ रोजगार मेला 2026 के जरिए 15 हजार से ज्यादा युवाओं को नौकरी मिलने की संभावना जताई जा रही है।

कोर्ट कचहरी से मुक्ति

छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां जन विश्वास विधेयक का दूसरा संस्करण लाया जा रहा है। अब आम नागरिकों और छोटे कारोबारियों को कोर्ट-कचहरी के अनावश्यक चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

नक्सलवाद का खात्मा

केंद्र और राज्य सरकार का दावा है कि नक्सल विरोधी अभियान अंतिम चरण में है। 31 मार्च 2026 तक राज्य से नक्सलवाद का सफाया हो जाएगा। माओवादी संगठनों की पकड़ कमजोर पड़ चुकी है। पुनर्वास योजना सफल सिद्ध हुई है।

ई-ऑफिस अनिवार्य

साल 2026 में छत्तीसगढ़ का प्रशासनिक कामकाज डिजिटल हो जाएगा। सभी विभागों में ई-ऑफिस सिस्टम लागू होगा। फाइलें ऑनलाइन चलेंगी। फाइलें गुम नहीं होंगी, पारदर्शिता व जवाबदेही बढ़ेगी।

राजधानी का नया नक्शा और मेट्रो की तैयारी शुरू

साल 2026 में छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा शहरी बदलाव स्टेट कैपिटल रीजन परियोजना के रूप में सामने आएगा। 1 जनवरी 2026 से रायपुर, दुर्ग, भिलाई और नवा रायपुर अटल नगर को मिलाकर स्टेट कैपिटल रीजन के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके तहत एक अहम परियोजना रायपुर-दुर्ग मेट्रो रेल सेवा भी है।

ट्रेनों का टाइम बदलेगा, 5 से 25 मिनट का अंतर

नए साल से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन से होकर चलने वाली एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों की समय-सारणी में 5 से 25 मिनट तक बदलाव किया जा रहा है। 1 जनवरी 2026 से नई समय-सारणी लागू होगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले नई समय-सारणी की जानकारी जरूर प्राप्त करें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके। यात्री संबंधित स्टेशन, रेलवे पूछताछ केंद्र या रेलवे की अधिकृत वेबसाइट से अपडेटेड टाइम-टेबल देख सकते हैं।

न्यू-ईयर पार्टी पर संस्कार का डंडा फूहड़ गाने बजे तो होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग-भिलाई। नए साल का स्वागत इस बार संयम और संस्कारों के दायरे में करना होगा। जहां कहीं भी पार्टी होगी वहां सीसीटीवी (पीटीजेड) कैमरे लगाने होंगे। कहीं अश्लील या फूहड़ बजता पाया गया तो आयोजक पर कार्रवाई होगी। निगरानी के लिए 600 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया जा रहा है।

दुर्ग पुलिस ने जिले भर में व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। होटल, रिसॉर्ट, बार और डीजे संचालकों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिले में करीब 600 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो पूरे कार्यक्रम की सतत निगरानी करेंगे।

जिला प्रशासन ने बैठक में होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, रिसॉर्ट और बार संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि जहां भी लोगों की भीड़ एकत्रित हो, वहां सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए। डीजे संचालकों के साथ अलग से बैठक कर स्पष्ट किया गया कि साउंड सिस्टम का उपयोग केवल अनुमति लेकर, निर्धारित समय और मानकों के अनुसार ही किया जाएगा। किसी भी स्थिति में अश्लील गानों पर प्रतिबंध रहेगा। यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए होटल और बार संचालकों को पार्किंग स्थल पहले से चिह्नित करने के निर्देश दिए गए हैं। हाईवे या सड़क किनारे वाहन पार्किंग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। पार्किंग स्थलों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा गार्ड की तैनाती अनिवार्य की गई है। जहां पर पार्टी की व्यवस्था की जाएगी वहां पर सुरक्षा के साथ-साथ अग्नि और विद्युत सुरक्षा पर भी विशेष जोर दिया गया है। शॉर्ट सर्किट की आशंका न रहे, इसके लिए समुचित इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

खास-खबर

सरकार ने हाई-डोज निमेसुलाइड दवाओं पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सरकार ने दर्द और बुखार की दवाओं की उन सभी ओरल दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी है, जिनमें निमेसुलाइड 100 मिलीग्राम से अधिक मात्रा में होता है और जो तुरंत असर करने वाली (इमीडिएट-रिलीज) होती हैं। यह दवा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26ए के तहत प्रतिबंधित की गई है। यह फैसला ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) से सलाह लेने के बाद किया गया। स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि 100 मिलीग्राम से ज्यादा निमेसुलाइड वाली दवाओं का इस्तेमाल इंसानों के लिए खतरे भरा हो सकता है, और इसके ज्यादा सुरक्षित विकल्प पहले से मौजूद हैं।

खालिदा जिया के जनाजे में शामिल होंगे एस जयशंकर

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के जनाजे में भारत की तरफ से विदेश मंत्री एस. जयशंकर शामिल होंगे। जयशंकर आज भारत सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ बांग्लादेश पहुंचेंगे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की चेयरपर्सन बेगम खालिदा जिया के जनाजे में शामिल होंगे। एस जयशंकर का ये दौरा इसलिए खास है, क्योंकि अभी बांग्लादेश और भारत के बीच कई मुद्दों को लेकर तनाव जैसी स्थिति है। पड़ोसी देश में लगातार हिंदू अल्पसंख्यकों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है। बांग्लादेश के बड़े नेता भारत के खिलाफ लगातार बयान भी दे रहे हैं। ऐसे में विदेश मंत्री का ढाका जाना बेहद अहम है।

धार्मिक स्वतंत्रता या महिलाओं का हक? तय करेगा संवैधानिक बेंच

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के सामने चार ऐसे बड़े धार्मिक और सामाजिक मामले लंबित हैं, जिनके समाधान के लिए भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत 9 जजों की संविधान पीठ बनाने पर विचार कर रहे हैं। दरअसल, ये मामले तीन धार्मिक संप्रदायों से जुड़े हैं और तीनों में ही महिलाओं के अधिकारों को लेकर संवैधानिक सवाल उठाए गए हैं। यूं कह लें कि ये मामले एक तरह से धार्मिक स्वतंत्रता और महिलाओं के अधिकारों के टकराव के हैं। सर्वोच्च अदालत को यह फैसला देना है कि आखिर किसे प्राथमिकता दी जाए। ये मामले हिंदू, मुस्लिम और पारसी समुदायाओं के हैं।

मोहन भागवत पहुंचे रायपुर, हिंदू सम्मेलन में होंगे शामिल

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत आज छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 2 अहम कार्यक्रमों में शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण, आदिवासी समाज और ईसाई समुदाय के बीच बढ़ते तनाव के बीच संघ प्रमुख का यह दौरा राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आज होने वाले विशाल हिंदू सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल होंगे।

बरेला अपहरण-हत्या मामले में फरार 7 आरोपी गिरफ्तार

मुंगेली। ग्राम बरेला में हुए अपहरण व हत्या के मामले में जरहागांव पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले इस प्रकरण में 5 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। अब तक कुल 12 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

नए साल से पहले 20 आईएएस अधिकारियों का प्रमोशन, ढांचे को मिलेगी मजबूती

रायपुर (ए.)। नए साल की दस्तक से पहले छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रशासनिक मोर्चे पर बड़ा कदम उठाया है। लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को पूरा करते हुए राज्य सरकार ने 20 आईएएस अधिकारियों को उच्च पदों पर पदोन्नत करने का निर्णय लिया है। इससे राज्य के प्रशासनिक ढांचे को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पदोन्नति सूची के अनुसार 1 अधिकारी को प्रमुख सचिव, 6 अधिकारियों को सचिव, 8 अधिकारियों को विशेष सचिव और 5 अधिकारियों को संयुक्त सचिव के पद पर पदोन्नत किया गया है। वर्ष 2001 बैच की आईएएस अधिकारी शहला निगार को प्रमुख सचिव पद पर पदोन्नति दी गई है। वर्तमान में वे कृषि सचिव और कृषि उत्पादन आयुक्त के पद पर पदस्थ हैं। इस बैच से जे.पी. मौर्या, कार्तिकेय गोयल, डॉ. सारांश मित्तर, पी.एस. एल्मा, रमेश शर्मा और धर्मेंद्र साहू को सचिव पद पर पदोन्नत किया गया है। कार्तिकेय गोयल वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं, इसलिए उन्हें प्रोफार्मा प्रमोशन दिया गया है। डीपीसी ने वर्ष 2013 बैच के आठ आईएएस अधिकारियों गौरव सिंह, अजीत बसंत, विनीत नंदनवार, इंद्रजीत चंद्रवाल, जगदीश सोनकर, राजेंद्र कटारा और पी.एस. ध्रुव शामिल हैं। नम्रता गांधी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं।

भारत बना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जापान को छोड़ दिया पीछे

नई दिल्ली (ए.)। वर्ष 2026 के आगमन से एक दिन पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था ने भारी छलांग लगाई है। 4.18 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ भारत ने जापान को पछाड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त कर लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक आर्थिक मंच पर यह एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की।

वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 8.2 प्रतिशत की रियल जीडीपी ग्रोथ दर्ज की है। वैश्विक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों और महंगाई के दबाव के बावजूद भारत की यह तेज़ वृद्धि दर उसे दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान दिलाती है। मजबूत घरेलू मांग, बुनियादी ढांचे में भारी निवेश और विनिर्माण क्षेत्र को मिले प्रोत्साहन ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों को माना जा रहा है। डिजिटल भुगतान, स्टार्टअप इकोसिस्टम और तकनीकी नवाचारों ने भी अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। इसके साथ ही कृषि, सेवा और औद्योगिक क्षेत्रों में संतुलित विकास ने भारत को वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाया है।

सरकार के दीर्घकालिक अनुमानों के मुताबिक, यदि मौजूदा विकास दर बनी रहती है तो भारत 2030 तक जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसके बाद भारत के 7.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की संभावना जताई जा रही है।

नर्सिंग में सिर्फ दाखिला लेने से क्या होगा?

सरकार ने बीएससी नर्सिंग कोर्स में दाखिला लेने की तिथि को वर्षांत तक बढ़ाने का फैसला लेते हुए प्रवेश परीक्षा में 10 परसेंटाइल हासिल करने वालों को भी प्रवेश के अनुमति दे दी है। यह छात्रहित में कम और नर्सिंग कालेजों के हित में अधिक है। जो बच्चे प्रवेश परीक्षा तक उत्तीर्ण नहीं कर पाए, वे बीएससी पाट्यक्रम में कितने दिन टिक पाएंगे कहना मुश्किल है। दरअसल, छत्तीसगढ़ में बीएससी नर्सिंग की कुल 7811 सीटें हैं जिनमें से 4427 सीटें खाली रह गई थीं। छत्तीसगढ़ में मेडिकल कालेज और नर्सिंग कालेज खोलने की एक होड़ सी रही है। एक के बाद एक संस्थान खुलते चले गए। कहीं सुविधाएं नहीं तो कहीं शिक्षक नहीं। नर्सिंग कालेजों की हालत तो सबसे ज्यादा खराब है। जनजातीय इलाकों से बच्चों को पकड़-पकड़ कर नर्सिंग कालेजों में दाखिला तो दे दिया जाता है पर अधिकांश बच्चे इस चार वर्षीय कोर्स में एक दो साल से ज्यादा टिक नहीं पाते। राज्य में 13 समेत 130 से अधिक नर्सिंग कालेज हैं। राज्य में योग्य फैकल्टीज का अभाव है। ऊपर से पूरी पढ़ाई अंग्रेजी में होती है। पाठ्यक्रम की बात करें तो इसे एमबीबीएस की समतुल्य माना जा सकता है। विद्यार्थियों को एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, पोषण, मनोविज्ञान, फार्माकोलॉजी, मेडिकल-सर्जिकल नर्सिंग, साइकिट्रिक नर्सिंग, और पब्लिक हेल्थ जैसे विषय पढ़ने होते हैं। साथ ही किसी अस्पताल में ड्यूटी भी करनी होती है। सुविधाओं की बात करें तो राज्य में कुछ ही समय पहले 9 नए नर्सिंग महाविद्यालयों के भवन निर्माण कार्य के लिए 78 करोड़ 15 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। नए नर्सिंग कॉलेज दंतेवाड़ा, बैकुंठपुर, बीजापुर, बलरामपुर, जशपुर, रायगढ़, धमतरी, जांजगीर-चांपा और नवा रायपुर (अटल नगर) में खोले जाने हैं। सवाल यह उठता है कि क्या सिर्फ एडमिशन ले लेने से ही विद्यार्थियों का करियर बन जाएगा? क्या वे यह पढ़ाई पूरी भी कर पाएंगे या फिर फ्रस्ट्रेशन के साथ जीते रहेंगे।

घुसपैठिए सिर्फ बंगाल में तो दिल्ली पहलगाम में हमले कैसे

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की घुसपैठिये पर टिप्पणी का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को पूछा कि अगर घुसपैठ सिर्फ पश्चिम बंगाल में हो रही थी तो पहलगाम आतंकी हमला और दिल्ली कार बम धमाका कैसे हुआ? बांकुरा जिले के बरजोरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे सोनार बांग्ला नहीं बनाना चाहते, बल्कि राज्य को नष्ट करना चाहते हैं। इससे पहले दिन में गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में मीडिया को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोला। अमित शाह ने ममता बनर्जी पर राज्य में घुसपैठ की अनुमति देने और उन्हें संरक्षण देने का आरोप लगाया।

संपादकीय

देश के अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में अहम उड़ान

इसरो द्वारा एलवीएम3-एम6 रॉकेट का सफल प्रक्षेपण प्रमाण है कि भारत तकनीक और क्षमता के बल पर नई दिशा तय कर रहा है। यह वैज्ञानिक उपलब्धि के साथ ही देश की आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इस लॉन्च का अनुभव गगनयान मिशन की तैयारी में मददगार होगा। भारत ने सिद्ध कर दिया है कि वह केवल अंतरिक्ष तक पहुंचने वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष तकनीक में वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ता राष्ट्र है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा एलवीएम3-एम6 रॉकेट का सफल प्रक्षेपण यह साबित करता है कि भारत अब केवल एक सीखने वाला देश नहीं रहा, बल्कि अपनी तकनीक और क्षमता के बल पर नई दिशा तय कर रहा है। यह सफलता केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि देश की सोच, नीति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है। भारत ने जब अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट अंतरिक्ष में भेजा था, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि एक दिन भारत भारी उपग्रहों को अपने दम पर अंतरिक्ष में स्थापित करेगा। आज उपग्रह हमारे जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। मोबाइल संचार, इंटरनेट, मौसम की जानकारी, टीवी प्रसारण, कृषि सलाह, आपदा प्रबंधन और सीमा सुरक्षा—इन सभी में अंतरिक्ष तकनीक की अहम भूमिका है। एलवीएम3 जैसे शक्तिशाली रॉकेट यह भरोसा देते हैं कि देश अब अपनी जरूरतों के लिए किसी और पर निर्भर नहीं है।

> “ इसरो की पहचान कम लागत में बड़े काम करने की रही है। एलवीएम3 भी इसका उदाहरण है। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने ऐसा रॉकेट विकसित किया है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरता है। यह भारत की कार्यसंस्कृति और योजना क्षमता को दर्शाता है। इस सफलता से भारत की छवि भरोसेमंद अंतरिक्ष संबंधी तकनीकी क्षमता वाले राष्ट्र के रूप में मजबूत हुई। अब कई देश भारत के साथ अंतरिक्ष सहयोग बढ़ाना चाह रहे हैं। भारत आने वाले वर्षों में चंद्रयान, गगनयान और अन्य अंतरिक्ष अभियानों पर काम करेगा। इन सभी अभियानों की सफलता का आधार एलवीएम3 जैसे रॉकेट हैं। इसका सफल प्रक्षेपण केवल एक रॉकेट की उड़ान नहीं है। यह भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास, तकनीकी क्षमता और भविष्य की तैयारी का प्रतीक है। यह प्रक्षेपण भारत के सपनों को नई ऊंचाई देने वाला कदम है—एक ऐसा कदम, जो देश को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में और करीब ले जाएगा।

एलवीएम3 भारत का सबसे ताकतवर प्रक्षेपण यान है। पहले इसे जीएसएलवी मार्क-3 के नाम से जाना जाता था। इसका उपयोग भारी उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने के लिए किया जाता है। एलवीएम3-एम6 इस रॉकेट का छठा सफल मिशन है, जिसमें उपग्रह को तय योजना के अनुसार सुरक्षित रूप से उसकी कक्षा में स्थापित किया गया। इस मिशन की सफलता यह दिखाती है कि इसरो की तकनीक अब पूरी तरह से भरोसेमंद हो चुकी है। एलवीएम3 रॉकेट तीन चरणों में काम करता है। पहले चरण में ठोस ईंधन वाले दो बड़े बूस्टर रॉकेट को तेजी से ऊपर ले जाते हैं। दूसरे चरण में तरल ईंधन वाला इंजन रॉकेट को स्थिर गति देता है। तीसरे और अंतिम चरण में क्रायोजेनिक इंजन काम करता है, जो उपग्रह को सटीक कक्षा में पहुंचाता है। भारत के लिए क्रायोजेनिक तकनीक लंबे समय तक चुनौती रही, लेकिन आज यह पूरी तरह स्वदेशी बन चुकी है। एलवीएम3-एम6 मिशन 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की एक सशक्त मिसाल है। इस रॉकेट में इस्तेमाल होने वाली अधिकांश तकनीक और उपकरण देश में ही विकसित किए गए हैं। इससे विदेशी निर्भरता कम हुई है, साथ ही, देश में उच्च तकनीकी उद्योगों को भी बढ़ावा मिला है। यह उपलब्धि बताती है कि भारत जटिल तकनीकों को समझने और विकसित करने में सक्षम है।

अब भारत का सपना है कि वह अपने अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजे। इस सपने को पूरा करने के लिए गगनयान मिशन पर काम चल रहा है। एलवीएम3 रॉकेट इसी मिशन की रीढ़ है। एलवीएम3-एम6 से मिले अनुभव और आंकड़े मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी में मदद करेंगे। इससे रॉकेट की सुरक्षा, विश्वसनीयता और प्रदर्शन को और बेहतर बनाया जा सकेगा। अंतरिक्ष आज विज्ञान का ही क्षेत्र नहीं रहा। यह राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। संचार उपग्रह, निगरानी उपग्रह व नेविगेशन सिस्टम देश की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। एलवीएम3 जैसे रॉकेट भारत को यह ताकत देते हैं कि वह अपने रणनीतिक उपग्रह खुद लॉन्च कर सके। इससे देश की सुरक्षा और मजबूत होती है। अंतरिक्ष क्षेत्र अब एक बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन चुका है। दुनियाभर में सैटेलाइट लॉन्च, डेटा सेवाओं और अंतरिक्ष अनुसंधान में भारी निवेश हो रहा है। एलवीएम3 की सफलता भारत को इस वैश्विक बाजार में मजबूत स्थान दिलाएगी। इससे कंपनियों, स्टार्टअप्स और युवाओं के लिए नए रोजगार व अवसर पैदा होंगे। अंतरिक्ष क्षेत्र अब केवल सरकारी प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहा। एलवीएम3-एम6 जैसे मिशन देश के युवाओं को प्रेरित करेंगे। अब विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में कैरियर बनाकर देश की सेवा की जा सकती है। आज जब युवा विदेश जाने का सपना देखते हैं, तो ऐसे मिशन उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि भारत में भी विश्वस्तरीय काम हो रहा है।

सुधार एक्सप्रेस 2025: भारत के अगले विकास चरण की शांत आधारशिलाएं

हरदीप एस पुरी

जैसे-जैसे 2025 अपने अंतिम चरण में पहुँच रहा है, समाचार की बड़ी सुर्खियों पर आसानी से नजर जाती है, लेकिन कुछ बातें छूट जाती हैं, जैसे शासन का शांति से किया जा रहा कार्य - लगातार, सप्ताह दर सप्ताह अड़चनों का निपटारा सुधार एक्सप्रेस 2025 से मेरा मतलब यही संचयी जोर है। भारत का सांकेतिक जीडीपी लगभग 4.1 ट्रिलियन डॉलर की सीमा को पार कर गया और भारतीय अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई। स्टैण्डर्ड एंड पूअर्स ने 18 साल बाद भारत की सॉवरेन रेटिंग बीबीबी श्रेणी में की, जो संकेत है कि अर्थव्यवस्था की वृहद् गाथा ने केवल गति ही नहीं, बल्कि स्थायित्व भी हासिल किया है। एक अनिश्चित दुनिया में, जहाँ राजनीतिक उथल-पुथल आम बात हो गयी है, भारत का स्थिर नेतृत्व सुधारों को विश्वसनीय बनाता है और विश्वसनीय सुधार निजी सतर्कता को निजी निवेश में परिवर्तित करते हैं।

मैंने देखा है कि गैट और डब्ल्यूटीओ प्रणाली से लेकर बहुपक्षीय मंचों तक, नियम केवल उतने ही अच्छे होते हैं जितना कि वे प्रोत्साहन पैदा करते हैं। जब प्रक्रियाएँ अस्पष्ट होती हैं, तो विवेकाधिकार बढ़ जाता है और फिर अच्छी मंशा वाली नीति भी उद्यम को हतोत्साहित करती है। जब प्रक्रियाएँ स्पष्ट और समयबद्ध होती हैं, तो प्रतिस्पर्धा फलती-फूलती है, निवेश योजनाएँ लागू होती हैं और रोजगार सृजित होते हैं।

भारत का कुल निर्यात 2024-25 के दौरान 825.25 बिलियन डॉलर पर पहुँच गया, जो 6त्न से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर दर्शाता है। इस व्यापार की मात्रा का समर्थन करने के लिए, सरकार ने कई डिजिटल उपकरण पेश किये हैं, जैसे व्यापार कनेक्ट ई-प्लेटफ़ॉर्म, जो निर्यातकों के लिए एकल डिजिटल विंडो है और व्यापार खुफिया और विश्लेषण (टीआईए) पोर्टल, जो वास्तविक समय में बाजार डेटा प्रदान करता है।

भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता, जिस पर जुलाई 2025 में हस्ताक्षर हुए, ने भारतीय निर्यातकों के लिए एक मजबूत मंच तैयार किया, जिसमें व्यापक शुल्क-मुक्त पहुंच और सेवा और कौशल आवागमन के लिए स्पष्ट मार्ग शामिल हैं। दिसंबर 2025 में, भारत ने ओमान के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे वस्तुओं, सेवाओं और निवेश के लिए एक रणनीतिक आर्थिक व्यवस्था मजबूत हुई। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता का भी समापन किया, जिससे भारत की पहुंच को उच्च मूल्य वर्ग वाले बाजारों में विस्तार मिला और अनुशासित, व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण समझौतों के लिए एक रूपरेखा स्थापित हुई।

भारत के स्टार्टअप क्षेत्र का विस्तार हुआ, जिसमें 2 लाख से अधिक सरकारी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप शामिल हैं और जिसने 21 लाख से अधिक नौकरियां सृजित करने में मदद की। डिजिटल वाणिज्य के लिए ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी) ने 3.26 करोड़ से अधिक ऑर्डर पूरे किए, जिनमें औसतन प्रतिदिन 5.9 लाख से अधिक लेनदेन हुए। इसके अतिरिक्त, सरकार की ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) का संचयी लेनदेन 16.41 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया, जिसमें 11 लाख सूक्ष्म और लघु उद्यमों को 7.35 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा के ऑर्डर मिले।

भारत ने वैश्विक नवाचार सूचकांक में भी अपनी स्थिति में सुधार किया और 139 अर्थव्यवस्थाओं में 38वें स्थान पर पहुँच गया। व्यवसाय संचालन को सरल बनाने के प्रयासों के परिणामस्वरूप 47,000 से अधिक अनुपालन कम हुए और 4,458 कानूनी प्रावधान अपराध मुक्त हुए। नवंबर के अंत तक, राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली ने 8.29 लाख से अधिक अनुमोदनों को संसाधित किया। अवसंरचना योजना में भी बदलाव देखने को मिला, क्योंकि पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान को निजी क्षेत्र के लिए खोला गया और परियोजना निगरानी समूह पोर्टल ने 3,000 से अधिक परियोजनाओं को शामिल किया है, जिनका कुल मूल्य 76 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

विश्वास-आधारित शासन को अपनाते हुए, संसद ने निरस्तीकरण और संशोधन विधेयक 2025 पारित किया, जिससे 71 पुराने अधिनियमों को हटा दिया गया, जो अपनी उपयोगिता पूरी कर चुके थे। व्यवसाय करने में आसानी भी जिले स्तर की सुधार रूपरेखाओं के माध्यम से उद्यमियों के करीब आई, जिसमें जिला व्यवसाय सुधार कार्य योजना 2025 शामिल है, जिसका उद्देश्य स्थानीय प्रशासन को अधिक उत्तरदायी, पूर्वानुमान योग्य और जिम्मेदार बनाना है।

आधुनिक श्रम प्रणाली पैमाने, विनिर्माण और एक ऐसी सेवा अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, जो नौकरियों को औपचारिक बनाना चाहती है और सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करना चाहती है। 21 नवंबर 2025 से लागू हुई 4 श्रम संहिताओं के साथ, 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को पारिश्रमिक, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल सुरक्षा को कवर करने वाली सरल रूपरेखा में समेकित किया गया है।

प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक पेश किया गया ताकि प्रतिभूति कानून को आधुनिक बनाया जा सके और सेबी की जांच और प्रवर्तन क्षमता को मजबूत किया जा सके। इस विधेयक में विशेष बाजार न्यायालयों, नियामकों के साथ सूचना साझा करने की मजबूत व्यवस्था और समयबद्ध शिकायत निवारण के प्रस्ताव शामिल हैं। ऐसे समय में जब खुदरा भागीदारी बढ़ी है और भारत वैश्विक पोर्टफोलियो की अधिक रूचि आकर्षित कर रहा है, नियामक स्पष्टता राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बन जाती है, जिससे बचत का प्रवाह उपयोगी निवेश की ओर होता है।

लॉजिस्टिक्स एक अन्य क्षेत्र है, जहां लागतों में सुधार स्पष्ट रूप से दिखाई देता है और 2025 में व्यापार के समुद्री घटक को आधुनिक बनाने के लिए एक पहल की गई। भारत का व्यापार मात्रा के आधार पर लगभग 95त्न और मूल्य के आधार पर लगभग 70त्न समुद्री मार्गों से होता है, इसलिए पत्तन और पोत परिवहन की दक्षता एक प्रतिस्पर्धात्मक मुद्दा है। औपनिवेशिक युग की व्यवस्था की जगह पर भारतीय पत्तन अधिनियम 2025 पेश किया गया, जिसने आधुनिक शासन उपकरण पेश किए, जिसमें राज्य स्तर पर विवाद समाधान, एक वैधानिक समन्वय परिषद, और सुरक्षा, आपदा तैयारी, और पर्यावरण तैयारी पर कड़े नियम शामिल हैं। व्यवसायी पोत परिवहन अधिनियम 2025 और समुद्री मार्ग माल परिवहन अधिनियम 2025 ने पोत परिवहन कानून को और आधुनिक बनाया; नियम, जिम्मेदारी और विवाद व्यवस्था अद्यतन हुए, जिनमें समकालीन वाणिज्य की झलक मिलती है।

कैबिनेट ने जहाज निर्माण को मजबूत करने के लिए 69,725 करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी दी, जिसमें 25,000 करोड़ रुपये का समुद्र विकास कोष तथा वित्तीय सहायता और विकास के घटक शामिल हैं। यह मंजूरी एक बड़े उद्देश्य की ओर इशारा करती है: औद्योगिक सुदृढ़ता का निर्माण करना, निर्भरता कम करना और समय के साथ माल मूल्य को भारत के भीतर बनाए रखना। आदर्श अर्थ में यह औद्योगिक नीति है, एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण, जहां निजी पूंजी स्पष्ट जोखिम रूपरेखा के साथ प्रवेश कर सके, और जहां नौकरियां केवल पत्तनों में ही नहीं बल्कि शिपयार्ड, घटक, इंजीनियरिंग और सेवाओं में भी पैदा होती हैं।

ऊर्जा सुधार भी दीर्घकालीन निवेश के लिए डिजाईन किये गए थे। तेलक्षेत्र संशोधन और नई पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियमावली 2025 ने पट्टे की अवधि के दौरान शर्तों की स्थिरता पर जोर देकर निवेशक जोखिम को कम करने का प्रयास किया, परियोजना जीवन चक्र के दौरान एकल पेट्रोलियम पट्टे की ओर कदम बढ़े और अनुमोदनों के लिए स्पष्ट समयसीमा निर्धारित की गयी। खुला क्षेत्र लाइसेंस नीति ने अन्वेषण मानचित्र को और विस्तारित किया, जिसमें चरण एक्स ने लगभग 0.2 मिलियन वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में 25 ब्लॉक्स की पेशकश की, जो मुख्य रूप से समुद्री क्षेत्रों में थे, जिसमें गहरे पानी और अत्यधिक गहरे पानी की संभावनाएं शामिल थीं। इसके साथ ही, राष्ट्रीय गहरे पानी अन्वेषण मिशन ने जटिल अन्वेषण में घरेलू संसाधनों, प्रौद्योगिकी और क्षमता पर रणनीतिक ध्यान का संकेत दिया।

सुधार एक्सप्रेस 2025 में रणनीतिक ऊर्जा और प्रौद्योगिकी का एक आयाम भी शामिल था। बजट 2025 में नाभिकीय ऊर्जा मिशन की रूपरेखा पेश की गयी, जिसमें छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर्स और अन्य उन्नत डिज़ाइनों को तेज़ी से विकसित करने के लिए 20,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया, जो 2047 तक 100 गीगावॉट नाभिकीय क्षमता हासिल करने और 2033 तक 5 स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किए गए चालू छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर्स की क्षमता निर्मित करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप है। शांति विधेयक भारत के नागरिक परमाणु रूपरेखा के आधुनिकीकरण और सावधानीपूर्वक विनियमित निजी भागीदारी के लिए मार्ग खोलने में एक बड़ा कदम है। नाभिकीय ऊर्जा ग्रिड में स्थिर, कम कार्बन ऊर्जा देती है तथा उन्नत निर्माण, डेटा अवसंरचना, और ऊर्जा-गहन उद्योगों को अधिक आत्मविश्वास के साथ विकसित करने की भारतीय क्षमता को मजबूत करती है।

इन सुधारों को मिलाकर देखा जाए तो एक पैटर्न दिखाई देता है: कानूनों को सरल बनाना, मामूली अपराधों को अपराधमुक्त करना, श्रम अनुपालन को आधुनिक बनाना, बाजार शासन को मजबूत करना, व्यापार प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण करना, लॉजिस्टिक्स की कमियों को दूर करना और लंबी अवधि के ऊर्जा निवेश में जोखिम कम करना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार यह कहते रहे हैं कि राज्य का काम उद्यमियों को बोझ को कम करना है, ताकि उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि हो। यही सुधार एक्सप्रेस 2025 का रणनीतिक अर्थ है। दो अंकों वाली अगली विकास दर की शुरुआत इसी शांत, सतत कार्य में की गई है, और भारत इसे उस स्थिरता के साथ कर रहा है, जिसे कई अर्थव्यवस्थाओं ने खो दिया है।

(लेखक भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी है अरावली का वजूद

देवेंदर शर्मा

एक अरब साल से भी ज़्यादा पुरानी अरावली पहाड़ियों ने उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के रेगिस्तान बनने के विरुद्ध एक हरी दीवार का काम किया है। ये पहाड़ियां समृद्ध जैव विविधता का भंडार भी हैं; ये जमीन के नीचे के जलभंडारों की भरपाई करने में अहम भूमिका निभाती हैं और इन्होंने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में रेगिस्तान की आगे बढ़ने की चाल को रोका है।

वर्ष 2021 की हॉलीवुड व्यंग्य फिल्म 'डोंट लुक अप' में, दो अमेरिकी खगोलशास्त्री दुनिया को एक धूमकेतु के बारे में चेतावनी देते हैं, जो पृथ्वी की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति एक अरबपति के झांसे में आ जाते हैं, जो यह दावा करता है कि उस आकाशीय पिंड में खरबों डॉलर के दुर्लभ तत्व हैं। आखिरकार, धूमकेतु पृथ्वी से टकराता है, जिससे एक वैश्विक आपदा बनती है।

काश! फिल्म के मुख्य किरदारों ने प्राकृतिक संसाधनों की लूट के भयानक परिणामों के बारे में संज्ञान लिया होता, जैसा कि उत्तर भारत के 'हरे फेफड़े' पुकारी जाने वाली और पर्यावरण सुरक्षा के लिए अति संवेदनशील किंतु क्षतिग्रस्त की जा चुकी अरावली पर्वत शृंखला की प्रस्तावित 100 मीटर की परिभाषा से साफ था तो फिल्म का शीर्षक 'डोंट लुक अप, लुक डाउन' होता। यह वही है, जिसकी चेतावनी महात्मा गांधी ने यह कहकर दी थी, 'दुनिया में हर किसी की ज़रूरत के लिए काफी है, लेकिन हर किसी के लालच के लिए नहीं।'

कई साल पहले, मैं हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में गोविंद सागर जलाशय के ऊपर हिमालय की नाजुक पहाड़ियों में चूना पत्थर की खुदाई पर रिपोर्टिंग करने गया था। एक सीमेंट कंपनी धीरे-धीरे, परत-दर-परत, चूना पत्थर वाली पहाड़ी को खुरच रही थी। जब मैंने कंपनी के महाप्रबंधक से पूछा कि क्या उन्हें अहसास है कि पहाड़ी को समतल करने से गंभीर पारिस्थितिक नुकसान होगा, तो उनके जवाब में आमतौर पर हावी मानसिकता झलक रही थी, 'जब पहाड़ी ही नहीं रहेगी तो आप किस पारिस्थितिक नुकसान की बात कर रहे हैं?'

हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन पर आधारित सभी विकास गतिविधियां बंद कर देनी चाहिए। इसका अर्थ सिर्फ यह है कि मुख्य आवश्यक तत्वों के अत्यधिक खनन के गंभीर पर्यावरणीय परिणाम होते हैं और इसके लिए सख्त नियमों के अलावा प्रकृति द्वारा प्रदत्त पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के आर्थिक मूल्यांकन की भी ज़रूरत है। इसके सामाजिक प्रभाव भी होते हैं, जिनके लिए कोई माप-सूत्र मौजूद नहीं है। ऐसे में, अगर नीति निर्माताओं को गलती करनी भी पड़े, तो उन्हें लोगों और पर्यावरण के हित में गलती करनी चाहिए। इसी तरह, जब हिमालय के ग्लेशियर पिघलने लगे, तब एक ऐसा कथानक गढ़ने की कोशिश की गई जो उन दावों को चुनौती दे रहा था, जिसमें इस घटनाक्रम को जलवायु आपदा बताया गया था। भगवान का शुक्र है कि अब दुनिया पिघलते ग्लेशियरों के विनाशकारी परिणामों के प्रति जाग गई है। ग्लोबल वार्मिंग से आगे बढ़कर, दुनिया पहले ही ग्लोबल बॉइलिंग स्टेज में प्रवेश कर चुकी है। इसका मतलब है पहाड़ियों और जंगलों का अंधाधुंध दोहन, जो दुनिया को सिर्फ जलवायु आपदा की ओर धकेलेगा।

चार राज्यों—गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के 37 जिलों में 1.44 लाख वर्ग किमी में फैली अरावली पहाड़ियों में सीसा, जस्ता, चांदी, तांबा और बेशक, संगमरमर जैसे मुख्य खनिजों का भरपूर भंडार है। इसके अलावा, ये पहाड़ियां लिथियम, निकेल, मोलिब्डेनम, नाइओबियम और टिन जैसे ज़रूरी खनिजों से भी भरपूर हैं। जैसे 'डोंट लुक अप' में अमेरिकी राष्ट्रपति को यह विश्वास दिलाया गया था कि धूमकेतु की आर्थिक संपत्ति बहुत ज़्यादा दौलत लाएगी, वैसे ही यह माना जा रहा है कि अरावली में मौजूद खनिज देश के आर्थिक विकास के लिए ज़रूरी हैं। अगर ऐसा है, तो मुझे नहीं पता कि इतने बड़े पैमाने पर 'सेव अरावली' विरोध प्रदर्शन क्यों हो रहे हैं। क्या लोग खनिज संपदा की आर्थिक कीमत नहीं समझते, जिसे किसी भी कीमत पर निकालना ज़रूरी है?

एक अरब साल से भी ज़्यादा पुरानी अरावली पहाड़ियों ने उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के रेगिस्तान बनने के विरुद्ध एक हरी दीवार का काम किया है। ये पहाड़ियां समृद्ध जैव विविधता का भंडार भी हैं; ये जमीन के नीचे के जलभंडारों की भरपाई करने में अहम भूमिका निभाती हैं और इन्होंने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में रेगिस्तान की आगे बढ़ने की चाल को रोका है।

लेकिन अरावली पट्टी में इंसानी दखल और विकास प्रक्रिया के कारण वन्यजीवों के आवासों और स्थानीय आजीविका को पहले ही बहुत नुकसान हो चुका है। जैसे-जैसे रेगिस्तान फैल रहा है, देश की कड़ी मेहनत से हासिल की गई खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ रही है।

ग्रामीण विद्युतीकरण: रोशनी के साथ विकास का उजाला

विकास शर्मा

केन्द्र सरकार हाल ही में ग्रामीण विकास के लिए एकीकृत योजना वी बी जी राम जी लेकर आई है। इसके पीछे व्यापक नजरिया है कि ग्रामीण क्षेत्रों का टिकाऊ विकास हो। इसके लिए रोजगार सृजन और बुनियादी ढाँचा विकास पर बल दिया जाएगा। विकास की व्यापक कार्ययोजना को गति प्रदान करेगी विद्युत ऊर्जा जिसे मोदी सरकार ने अपने पिछले दो कार्यकाल में प्रमुखता प्रदान की थी। भारत जहाँ लगभग 70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है वहाँ ग्राम और ग्रामीण की ऊर्जा संपन्नता ही विकसित भारत के लक्ष्य को परवान चढ़ाएगी। छत्तीसगढ़ को इस मामले में बढ़त हासिल है। छत्तीसगढ़ सिर्फ सरप्लस बिजली वाला राज्य नहीं बल्कि यहाँ की बिजली लोगों की समृद्धि का बड़ा कारक है। गौर करने वाली बात यह भी है कि राज्य बनने के पहले तकनीकी रूप से प्रदेश का बहुत बड़ा हिस्सा विद्युतीकृत हो चुका था पर उपभोक्ताओं की संख्या और वितरण गुणवत्ता के लिहाज से स्थिति बहुत निराशाजनक थी। बीते 25 वर्षों को इस लिहाज से अहम माना जा सकता है क्योंकि अब गाँव तकनीकी रूप से ही नहीं बल्कि जमीनी तौर पर विद्युतीकृत हैं।

वैसे यह जानना रोचक है कि छत्तीसगढ़ में मध्यभारत प्रांत के दौर में (1 नवंबर 1956 के पूर्व) ग्राम विद्युतीकरण की शुरूआत हो गई थी। मोहला-मानपुर जिले के कुल्हारडोह गाँव को यह सौभाग्य मिला । यहाँ 1953 में बिजली आई, यह अलग बात है कि विद्युतीकरण की परिभाषा तब कुछ और थी। इसके बाद रायपुर जिले के अभनपुर ब्लॉक के मानिकचौरी गाँव में अगस्त 1956 में मध्यप्रदेश बनने के पहले तथा मध्यप्रदेश बनने के बाद सबसे पहले 31 दिसंबर 1956 में बस्तर जिले के जगदलपुर ब्लॉक के जीरागाँव में बिजली की दस्तक हुई। यह सिलसिला चल पड़ा एक क्कएक कर सभी जिलों में बिजली पहुँचती चली गई। वर्तमान 33 जिलों में से 06 जिलों के पहले ग्राम का विद्युतीकरण वर्ष 1970 में हो गया था।

ग्रामीण विद्युतीकरण को लेकर सरकारों ने काम तो शुरू से किए पर प्राथमिकता का क्षेत्र बदलता रहा है। स्वतंत्रता बाद 50 के दशक में अनाज की पैदावार बढ़ाने के लिए सिंचाई के साथ ही लघु उद्यम को प्राथमिकता प्रदान की गई। 60 के दशक में अकाल के भयंकर दौर को देखते हुए विद्युतीकरण को सिंचाई पंपों के ऊर्जीकरण पर केंद्रित किया गया। 70 के दशक में सिंचाई पंपों के साथ मूलभूत अधोसंरचनाओं में बिजली उपलब्धता प्राथमिकता थी। 80 के बाद ग्रामीण आबादी तक बिजली की पहुँच को प्रमुखता दी गई। इधर बीता एक दशक बहुत अहम रहा है जब देश के हर गाँव और हर घर को रोशन करने का लक्ष्य रखा गया जिसे समय से पूर्व हासिल भी किया गया।

असल में बीते 78 वर्षों में ग्रामीण विद्युतीकरण की परिभाषा बदलती रही। 1947 के बाद लगभग पाँच दशक तक (अक्टूबर 1997 तक) किसी गाँव के राजस्व क्षेत्र में बिजली का उपयोग किए जाने पर वह गाँव विद्युतीकृत माना गया। अक्टूबर 1997 के बाद इसमें बदलाव हुआ। किसी गाँव की राजस्व सीमा के अंदर रिहायशी क्षेत्र में बिजली का उपयोग किसी भी कार्य में किया गया (औद्योगिक, व्यावसायिक या घरेलू) तो वह गाँव विद्युतीकृत कहा गया।

17 फरवरी 2004 के बाद ग्रामीण विद्युतीकरण की परिभाषा को अधिक प्रभावी बनाया गया। गाँव की आबादी वाले क्षेत्र में वितरण लाइन , ट्रांसफार्मर जैसी बुनियादी विद्युत अधोसंरचना स्थापित हो , साथ ही दलित बस्ती में भी ऐसी अधोसंरचना विकसित हो तथा गाँव के कुल घरों में कम से कम 10 प्रतिशत घरों में विद्युत की आपूर्ति की जा रही हो तब वह गाँव विद्युतीकृत माना गया।

ग्रामीण विद्युतीकरण को प्राथमिकता प्रदान करते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण विद्युतीकरण नीति ,2006 बनाई गई। सभी घरों में वर्ष 2009 तक बिजली पहुँचाने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय बिजली की आपूर्ति का लक्ष्य रखा गया। साथ ही न्यूनतम जीवन रेखा खपत 01 यूनिट प्रति घर प्रतिदिन सुनिश्चित किया गया। इस लक्ष्य को पाने के लिए राजीव गाँधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना (आरजीजीवीवाई) के रूप में एकीकृत योजना अप्रैल 2005 में शुरू की गई। इससे ग्रामीण विद्युतीकरण के काम में तेजी आई पर अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रामीण क्षेत्र के घरेलू और कृषि दोनों ही श्रेणी के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नवंबर 2014 को दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) शुरू की। इस योजना ने लक्ष्य आधारित परिणाम दिए हैं और आज ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण विदयुत आपूर्ति हो रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रामीण विद्युतीकरण के दायरे को आगे बढ़ाते हुए हर घर को रोशन करने का लक्ष्य निर्धारित किया। 25 सितंबर 2017 को प्रधानमंत्री हर घर मुफ्त बिजली योजना (सौभाग्य) लागू की गई और 2019 तक हर घर को बिजली से रोशन करने का लक्ष्य रखा गया । ऑफ ग्रिड घरों को सौर ऊर्जा अथवा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा माध्यमों से रोशन करना था। इसके सुखद परिणाम आए और आज देश के हर घर में बिजली की पहुँच हो चुकी है। 28 अप्रैल, 2018 भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि इसी दिन मणिपुर का लेइसांग गांव विद्युतीकृत होने वाला अंतिम गांव बन गया। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ के ही 7 लाख 31 हजार से अधिक घरों में लोगों ने पहली बार बिजली के बल्ब से रोशनी देखी। 25 वर्ष पहले तत्कालीन परिभाषा अनुसार छत्तीसगढ़ में 19609 राजस्व गाँवों में से 17108 गाँव विद्युतीकृत थे जो वर्तमान में न केवल शत प्रतिशत विद्युतीकृत हैं अपितु शत-प्रतिशत घरों में बिजली की आपूर्ति हो रही है। आज प्रदेश के 18728 गाँव ग्रिड के माध्यम से तथा 881 गाँव ऑफ ग्रिड पद्धति से बिजली प्राप्त कर रहे हैं।

देश में प्रति व्यक्ति औसत विदयुत खपत 1395 यूनिट जबकि छत्तीसगढ़ में 2211 यूनिट है। इस खपत के बड़े हिस्सेदार ग्रामीण और कृषि उपभोक्ता हैं। खपत का यह आँकड़ा महज दस्तावेजी नहीं । ग्रामीण विद्युतीकरण ने गाँवों के सामाजिक और आर्थिक विकास को व्यापक ढंग से प्रभावित किया है। आज यदि किसान दो से तीन फसल की पैदावार ले रहा है तो इसमें सवा आठ लाख कृषि सिंचाई पंपों का योगदान अहम है। खेती मानव श्रम पर अब भी आधारित है ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार पैदा हो रहे हैं वहीं आर्थिक सबलता से जीवन स्तर में काफी बदलाव आया है। ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की भांति अनेक व्यावसायिक गतिविधियों ने स्थान बनाया है जो अंततः विदयुत की निर्बाध आपूर्ति के कारण फल फूल रहे हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि ग्रामीण विद्युतीकरण के मजबूत आधार पर आगे बढ़ते हुए ग्रामीण विकास की नई योजना जी राम जी अपने दूरगामी लक्ष्य को प्राप्त करने में निसंदेह सफल होगी।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

तीन दिवसीय संत दर्शन मेला कल 1 जनवरी से

दुर्ग। कबीर आश्रम, कबीर नगर वार्ड क्रमांक 58 उरला के तत्वावधान में त्रि दिवसीय सत्संग समारोह में 19वां वार्षिक अधिवेशन एवं संत दर्शन मेला का आयोजन 1 से 3 जनवरी तक किया जा रहा है। इस अवसर पर सद्गुरु कबीर साहेब के मानवतावादी शाश्वत सिद्धांत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कबीर वाणी के प्रखर शिल्पी संत धर्मेंद्र साहेब और संत गुरु भूषण साहेब अपनी संत मंडली के साथ प्रयागराज, यूपी से पहुंच रहे हैं। आश्रम के संस्थापक पूर्णेंद्र साहेब ने बताया कि 1 व 2 जनवरी को को सुबह 10 से दोपहर 1 बजे और शाम 3 से 5.30 बजे तक बीजक पाठ, भजन और प्रवचन होगा। 3 जनवरी को भजन, प्रवचन, कबीर विचार गोष्ठी, गुरु पूजा, आरती के साथ समापन होगा।

हनुमानजी के दरबार में नए साल के स्वागत की तैयारी

भिलाई। साल 2025 की विदाई और नए साल 2026 के स्वागत के लिए आज पूरी ट्विनसिटी तैयार है। ज्यादातर लोग इस दिन को भक्ति भाव से मंदिरों में भगवान के दर्शन-पूजा कर बिताते हैं। सेक्टर-9 के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में इसी की तैयारी है। तस्वीर मंगलवार रात की है। मंदिर में शाम से ही भक्तों की कतार लगी रही। हनुमान जी की पूजा के साथ आरती की गई। 31 दिसंबर और 1 जनवरी को कई गुना भीड़ जुटेगी।

जैन समाज के बच्चों ने स्पर्धाओं में दिखाई प्रतिभा

दुर्ग। संस्था जैन सोशल ग्रुप एलीट ने 23 से 25 दिसंबर तक महाकुंभ का आयोजन किया। चार से 13 साल के बच्चों के लिए क्रिकेट, रेस, कैरम, चेस, बैडमिंटन, क्विज, स्पून रेस, सैक रेस, रस्सा खींच आदि अनेक खेलों का आयोजन किया। जेएसजी प्रेसिडेंट अंकित बुरड़ ने बताया कि कार्यक्रम में ढाई सौ से अधिक बच्चों ने अलग-अलग खेलों में भाग लेकर न केवल आनंद लिया बल्कि से बेहद सफल रूप प्रदान किया।

भिलाई के डॉ भैंसारे को आईएमए बेस्ट ब्रांच प्रेसिडेंट व प्रेसिडेंट एप्रीसिएशन अवार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन नई दिल्ली द्वारा घोषित आईएमए के राष्ट्रीय अवार्ड में दुर्ग छत्तीसगढ़ से डॉ. राजू भैंसारे को बेस्ट ब्रांच प्रेसिडेंट, आईएमए नेशनल प्रेसिडेंट अप्रिशिएसन अवार्ड हेतु चयनित किया गया। यह पुरस्कार अहमदाबाद गुजरात में आयोजित ऑल इंडिया मेडिकल कांफ्रेंस में आईसीसी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष जय शाह ने प्रदान किया। इस समारोह में शंकर चौधरी विधानसभा अध्यक्ष गुजरात, मयंक नाइक सांसद, आईएमए चयनित अध्यक्ष सन् 2026, डॉ. अनिल कुमार नाईक, वर्तमान अध्यक्ष डॉ. दिलीप भानुशाली, सचिव डॉ शरबती दत्ता और डॉ जयंत शाह

आदि उपस्थित थे। इससे पूर्व 2024 में भी डॉ. भैंसारे को यह सम्मान मिल चुका है। राष्ट्रीय स्तर का यह अवार्ड स्थानीय स्तर पर चिकित्सको को एकेडमिकली अपडेट रखना, हेल्थ कैंप, ब्लड डोनेशन कैंप का केयर आफ एल्डरली जिरियाट्रिक केयर, स्कूल एंड कॉलेज हेल्थ चेकअप, राष्ट्रीय दिवस, बेस्ट कम्युनिटी प्रोजेक्ट्स और शासकीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन जैसी सेवाओं के लिए प्रदान किया जाता है। अवार्ड मिलने पर छत्तीसगढ़ आईएमए के अध्यक्ष डॉ. प्रभात पांडे, डॉ शरद पाटणकर, डॉ. अजय गोवर्धन, डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर, डॉ. उदय धाबरडे, डॉ. सुधीर शुक्ला, डॉ. अहमद हमदानी, डॉ. अर्चना चौहान, डॉ. राजीव पाल एवं डॉ. गुरमीत सिंह आदि ने बधाई दी है।

नौतनवा को रोज चलाने की मांग, गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस का पावरहाउस में हो हॉल्ट

छत्तीसगढ़ यूपी बिहार रेलयात्री सेवा संघ ने सांसद और विधायक से मांगा समर्थन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ यूपी बिहार रेलयात्री सेवा संघ ने मंगलवार की सुबह सासंद विजय बघेल और भिलाई विधायक देवेंद्र यादव से मुलाकात की। इस दौरान संघ ने रेल यात्रा से संदर्भित विभिन्न मांगों का ज्ञापन दोनों जनप्रतिनिधियों को सौंपा। प्रमुख मांगों में नवतनवा को रोज चलाने तथा बरौनी एक्सप्रेस को पावर हाउस में हॉल्ट देने की मांगें शामिल हैं।

सांसद बघेल और विधायक यादव ने संघ को आश्वासन दिया है कि जनहित की इन मांगों को उचित माध्यम से रेल मंत्री तक पहुंचाएंगे और इसे पूरा करवाने हर संभव प्रयास करेंगे। संघ की ओर से इस दौरान मुख्य रूप से दुर्ग गोरखपुर नौतनवा एक्सप्रेस 18201 और 18202 का नियमित परिचालन एवं दुर्ग स्टेशन से समय परिवर्तित कर चलाने के साथ गोंदिया बरौनी

एक्सप्रेस 1523115232 को सप्ताह में 3 दिन वाया मऊ बेल्थरा रोड, सलेमपुर, भटनी, सिवान, छपरा होते हुए चलाने एवं वापसी में भिलाई पावर हाउस में स्टॉपेज देने संबंधी मांग की गई।

रेल मंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि यू. पी. पूर्वांचल तथा बिहार उत्तरांचल क्षेत्र के लाखों लोग छत्तीसगढ़ के भिलाई दुर्ग रायपुर बिलासपुर जगदलपुर व अन्य क्षेत्रों में निवासरत हैं जो अपने गृह ग्राम जाने के लिए नौतनवा एक्सप्रेस व गोंदिया बरौनी एक्सप्रेस का इस्तेमाल करते हैं।

दुर्ग रेलवे स्टेशन से नौतनवा एक्सप्रेस सप्ताह में केवल दो दिन ही चलती है जिसके कारण यात्रियों को अपने सुविधा अनुसार अथवा निर्धारित समय पर यात्रा करने के लिए टिकट नहीं मिल पाती है। इस समस्या के निराकरण हेतु नौतनवा एक्सप्रेस को नियमित रूप से चलाया जाना अति आवश्यक है।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि नौतनवा एक्सप्रेस दुर्ग रेलवे स्टेशन से शाम 7.40 बजे रवाना होती है जो दूसरे दिन बनारस पहुंचती है। इसके बाद मऊ बेल्थरा रोड सलेमपुर भटनी देवरिया होते हुए रात्रि गोरखपुर व नौतनवा पहुंचती है।

देर रात स्टेशन में उतरने के कारण यात्रियों को कई प्रकार की परेशानियों से गुजरना पड़ता है। यदि नौतनवा एक्सप्रेस को दुर्ग स्टेशन से से सुबह 8.00 बजे से शाम 4:00 बजे के बीच चलाया जाए तो उपरोक्त प्रमुख रेलवे स्टेशन दिन में ही मिलेंगे और यात्री सही समय पर अपने निर्धारित स्थान तक पहुंच जाएंगे। दुर्ग से सिवान जाने के लिए कोई भी सीधी रेल सुविधा नहीं है। वर्तमान में यह ट्रेन वाया बलिया छपरा प्रतिदिन चल रही है। इसे सप्ताह कम से कम 3 दिन वाया मऊ बेल्थरा रोड, सलेमपुर भटनी, सिवान, छपरा चलाई जाए।

गोंदिया बरौनी एक्सप्रेस रूट में पहले से ही सारनाथ एक्सप्रेस प्रतिदिन चल रही है इसलिए गोंदिया बरौनी को सप्ताह में कम से कम 3 दिन वाया मऊ सलेमपुर, भटनी, मैरवा, सिवान, छपरा होकर चलाया जाना उत्तम होगा। गोंदिया बरौनी एक्सप्रेस को अगर सिवान रूट पर चलाया जाए तो मऊ सिवान गोपालगंज के साथ ही देवरिया जिले के लोगों को इससे बहुत ही फायदा होगा। बड़ी संख्या में सिवान भटनी सलेमपुर व मऊ में निवासरत आसानी से आ जा सकते हैं। नौतनवा एक्सप्रेस व गोंदिया बरौनी एक्सप्रेस का भिलाई पावर हाउस स्टेशन पर स्टॉपेज नहीं है।

तीन बिजली चोरों को कोर्ट ने सुनाई छह-छह माह की सजा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। बिजली चोरी के तीन मामलों में कोर्ट ने उपभोक्ताओं को 6-6 महीने की सजा सुनाई है। सभी पर 1-1 हजार का अर्थदंड भी लगाया गया है। मंगलवार को न्यायाधीश यशवंत सारथी की कोर्ट ने धारा 135 विद्युत अधिनियम के तहत सजा सुनाई है। इन उपभोक्ताओं ने लंबे समय से बकाया बिल जमा नहीं किया था।

विद्युत विभाग की ओर से अधिवक्ता विजय कसार ने पैरवी की। वकील ने बताया कि तीनों प्रकरण सुपेला जोन के इस्लाम नगर इलाके के हैं। छग राज्य विद्युत वितरण कंपनी के सहायक अभियंता करियमपल्ली वर्गीस के आदेश पर जांच अधिकारी अर्चना खोब्रागढ़े ने कार्रवाई की।

विभाग की टीम ने 22 जुलाई 2019 को इस्लाम नगर निवासी अब्दुल अजीज कुरैशी के घर पर जांच की। पता चला कि उसके बिजली बिल की बकाया राशि 57189 रुपए है। राशि जमा नहीं करने पर कनेक्शन काटकर मीटर निकाल दिया गया। 29 जुलाई 2019 को जब दोबारा टीम जांच करने पहुंची तो पता चला कि उपभोक्ता ने दोबारा कनेक्शन जोड़ लिया है। बिजली चोरी की जा रही थी। उस पर केस बनाया गया। इसी तरह शौकत कुरैशी और मोह. इजराइल दोनों निवासी इस्लाम नगर के घरों का बिजली का कनेक्शन काट दिया गया था। शौकत ने अपना 59448 और इजराइल ने 75200 रुपए का बिजली का बिल जमा नहीं किया था। ये दोनों भी बिजली चोरी कर रहे थे।

जारी रहेगी सख्ती

बकायदारों पर सख्ती मार्च महीने तक जारी रहेगी। आम उपभोक्ताओं का करोड़ों रुपए बकाया है। कई उपभोक्ता लंबे समय से बिजली बिल जमा नहीं कर रहे हैं, जिन पर सख्ती बरती जा रही है। बिजली कंपनी द्वारा बकायादारों को नोटिस भी दिया गया था। उसके बाद भी कई उपभोक्ता बिजली बिल का भुगतान नहीं किया है। बड़े बकायादारों पर भी सख्ती बरतने की तैयारी चल रही है। बिजली बिल बकाया होने पर उपभोक्ताओं को हाफ बिजली बिल का लाभ नहीं मिलेगा। हाफ बिजली बिल का लाभ लेने के लिए भी बकाया बिल भुगतान करना जरूरी है। कई आम उपभोक्ता प्रति माह बिल नियमित रूप से भुगतान नहीं करते हैं। इसके कारण अतिरिक्त चार्ज भी लिया जाता है।

क्या है पीटीजेड कैमरा जिले लगाने के मिले निर्देश?

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिला प्रशासन ने 31 नाइट और नए वर्ष के उपलक्ष्य में होने वाले आयोजनों को लेकर गाइड लाइन जारी की है। होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, बार, इस्पात क्लब, स्टील क्लब, मैरिज पैलेस, पिकनिक स्थल, दर्शनीय स्थल और पार्किंग में पीटीजेड कैमरा लगाना होगा। आयोजन स्थलों पर सुरक्षा गार्ड तैनात किया जाए।

इसी तरह आगजनी जैसी घटनाओं से निपटने के लिए लघु अग्निशमन यंत्र, रेत की बाल्टी और पानी की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। जिला अग्निसमन अधिकारी से फायर ऑडिट कराना होगा। सभी आयोजन स्थल पर आयोजनकर्ता को इलेक्ट्रिसिटी और सुरक्षा ऑडिट भी कराना होगा।

क्या होता है पीटीजेड कैमरा?

पीटीजेड और ईपीटीजेड कैमरे क्या हैं? पैन-टिल्ट-ज़ूम (पीटीजेड) कैमरे ऐसे यांत्रिक पुर्जों से निर्मित होते हैं जो उन्हें बाएं से दाएं घूमने, ऊपर और नीचे झुकाने और किसी दृश्य को ज़ूम इन और ज़ूम आउट करने की अनुमति देते हैं ।

जिला प्रशासन ने बैठक बुलाकर दिये निर्देश

मंगलवार को जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने आयोजन कर्ताओं के साथ एक बैठक करते हुए यह गाइड लाइन जारी की है। इस दौरान एडीएम अभिषेक अग्रवाल, एएसपी सुखनंदन राठौर और अभिषेक झा मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि सभी होटल ढाबा, रेस्टोरेंट, बार, क्लब, और मैरिज पैलेस पर अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरा लगवाने के निर्देश दिया है।

दुर्ग नगर निगम ने शुरू की ग्रीष्मऋतु की तैयारी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम में आयोजित बैठक में सभापति श्याम शर्मा ने अपने पार्षद साथियों के साथ आयुक्त सुमित अग्रवाल से मुलाकात कर आगामी गर्मियों में पानी की समस्या से निपटने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की सफाई, जल संरक्षण और जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

सभापति शर्मा ने कहा कि पिछले वर्ष गर्मियों के दौरान नागरिकों को पेयजल संकट झेलना पड़ा था। इसलिए इस बार पहले से ही तैयारी की जा रही है, ताकि आने वाले दो महीनों में पड़ने वाली भीषण गर्मी के दौरान शहरवासियों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जा सके।

बैठक में यह भी तय किया गया कि जन-जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को पानी का संयमित उपयोग, पुनः उपयोग और बर्बादी रोकने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने बताया कि जल आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ-साथ वर्षा जल संचयन संरचनाओं को मजबूत किया जाएगा और तालाब-नदी सहित अन्य जलाशयों की नियमित सफाई व संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक के दौरान शासन से बोरिंग खुदवाने और पाइपलाइन बिछाने की अनुमति से संबंधित प्रस्तावों पर भी करीब दो घंटे विस्तृत चर्चा हुई, ताकि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त जल स्रोत उपलब्ध कराए जा सकें।

बैठक एमआईसी शिव नायक, मनीष साहू, पार्षद संजय अग्रवाल, कमल देवांगन, गुलाब वर्मा, युवराज कुजाम, रामु सेन, मनीष कोठारी, गुलशन साहू, जितेंद्र ताम्रकर, ललित ढीमर, जीतू महोबिया, सविता साहू, सुरूचि उमरे, मनोज सोनी, लोकेश्वरी ठाकुर, सुरेश गुप्ता, गुड्डू यादव सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

अगासदिया सम्मेलन में शुक्ल व नासिर को श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। अगासदिया एवं वैभव प्रकाशन के संयुक्त तत्वावधान में 29 दिसंबर को भिलाई निवास कॉफी हाउस में हुए समारोह में लेखक बद्री प्रसाद पाकर की किताब 'छत्तीसगढ़ी संस्कृति एवं हमारा समाज' का विमोचन किया गया। शुरुआत में छत्तीसगढ़ महतारी वंदन महंत अंतराम के गायन से हुआ। आधार वक्तव्य में डॉक्टर सुधीर शर्मा ने कहा कि एक शिक्षाविद बद्री प्रसाद पाकर ने विगत 5 वर्ष में तीन पुस्तक लिखकर जो यश प्राप्त किया है वह प्रशंसनीय है।

मुख्य अतिथि इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में हिंदी-अंग्रेजी भाषा विभाग के प्रमुख डॉ राजन यादव मुख्य ने कहा कि छत्तीसगढ़ी संस्कृति से छत्तीसगढ़ का हर समाज एक सूत्र में बंधा हुआ है।

बद्री प्रसाद पारकर ने इससे पूर्व दो किताबें और लिखी है वह संस्कृति के जानकार एवं लेखक हैं उनका लेखन बेहद प्रभावशाली है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार डॉक्टर परदेशी राम वर्मा ने कहा कि बद्री प्रसाद पारकर शिक्षाविद रहे हैं वह अपने छोटे से गांव बेलौदी और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर रहे हैं। उनके लेखन में सच्चाई और ईमानदारी देखते ही बनती है। यह संभावनाशील लेखक हैं। स्वागत भाषण देते हुए बद्री प्रसाद पारकर ने राजभाषा आयोग और वैभव प्रकाशन का आभार माना जिन्होंने उनकी किताबों का प्रकाशन किया।

उन्होंने डॉक्टर परदेसी राम वर्मा के सतत प्रोत्साहन के लिए आभार मानते हुए कहा कि चौथी किताब उपन्यास के स्वरूप में शीघ्र ही पूरा कर लेंगे। विशेष अतिथि लेखक एवं समाजसेवी जीआर राणा ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति पर तथा डीपी देशमुख ने साहित्य और संस्कृति पर प्रभावशाली वक्तव्य देते हुए कहा कि एक ही परिवार से तीन लेखक और एक गांव से निकलना बड़ी उपलब्धि है।

वक्ता दीनदयाल साहू ने कहा कि बद्री प्रसाद अपने से छोटी उम्र के लोगों को भी भरपूर स्नेह देखकर छत्तीसगढ़ी संस्कृति का व्यावहारिक परिचय देते हैं। इस दौरान अगासदिया परिवार और वैभव प्रकाशन की ओर से लेखक बद्री प्रसाद पारकर का सम्मान किया गया।

दुर्गा प्रसाद पारकर, मुकुंद पारकर, स्वराज पारकर, शिवेंद्र कुमार पारकर, प्रदीप पारकर और मोनिका स्मिता वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

साईंस कालेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर कार्यशाला 2 एवं 3 जनवरी को, दिग्गज वक्ता होंगे शामिल

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में 2 एवं 3 जनवरी 2026 को उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर केन्द्रित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि उच्चशिक्षा विभाग द्वारा रूसा 2.0 योजना के अंतर्गत आयोजित होने वाली इस दो दिवसीय कार्यशाला में देश के विभिन्न संस्थानों के दिग्गज वक्ता अपने विचार व्यक्त करेंगे। कार्यशाला के संचालन हेतु प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों की विभिन्न समितियां गठित की गयी है। 2 जनवरी को उद्घाटन सत्र में नई दिल्ली स्थित शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी संबोधन देंगे। विद्या भारती भोपाल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कन्हेरे का भी आमंत्रित व्याख्यान होगा। डॉ. सिंह ने बताया कि इन दो दिवसों के दौरान गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रोफेसर आलोक चक्रवाल तथा आईआईटी भिलाई के निदेशक राजीव प्रकाश एवं झाबुआ मध्य प्रदेश से पधारे शिक्षा से आत्म निर्भर भारत के राष्ट्रीय संयोजक ओम प्रकाश वर्मा भी अपने विचार रखेंगे।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

मेरा भारत युवा भारत के तहत जिला स्तरीय स्पोर्ट्स मीट आयोजित

कोरबा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार से संबद्ध मेरा युवा भारत कोरबा (नेहरू युवा केंद्र संगठन) द्वारा जिला स्तरीय स्पोर्ट्स मीट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन दिनेश चंद्र यादव (उप निदेशक, मेरा युवा भारत छत्तीसगढ़) के निर्देशन में 27 एवं 28 दिसंबर को विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1, सीएसईबी कोरबा परिसर में संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम अंतर्गत पुरुष वर्ग में कबड्डी, गोला फेंक एवं 800 मीटर दौड़, जबकि महिला वर्ग में रस्साकसी, गोला फेंक एवं 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कबड्डी में कोरबा ब्लॉक प्रथम जबकि पोड़ी ब्लॉक टीम उपविजेता रही। वहीं महिला वर्ग की रस्साकसी में पोड़ी ब्लॉक की टीम विजेता और करतला ब्लॉक की उपविजेता रही।

दिव्यांगजनों को अधिक से अधिक ऋण देने के दिए निर्देश

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने आज जिले के उन दिव्यांगजनों से मुलाकात की, जिन्होंने स्वरोजगार के लिए निगम से ऋण लेकर समय पर उसका भुगतान किया है। इस दौरान उन्होंने कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना से जिले के अधिक से अधिक दिव्यांगजनों को स्वरोजगार हेतु ऋण लेने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। अध्यक्ष कावड़िया ने कहा कि जो हितग्राही समय पर ऋण का भुगतान करेंगे, उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही जिस व्यवसाय के लिए ऋण प्रदान किया जाएगा, उससे संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि व्यवसाय संचालन में किसी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने बताया कि हितग्राहियों को व्यवसाय के लिए आवश्यक उत्पाद उपलब्ध कराए जाएंगे तथा उनके उत्पादों के बिक्री हेतु बाजार की व्यवस्था भी की जाएगी।

पेंशनरों को मिला सुशासन का लाभ, बीजापुर में स्वास्थ्य शिविर

बीजापुर। पेंशनरों के स्वास्थ्य की नियमित देखभाल एवं समय पर उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन की सुशासन की भावना के अनुरूप जिला चिकित्सालय बीजापुर में सोमवार, 29 दिसंबर 2025 को विशेष स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर कलेक्टर संबित मिश्रा के दिशा-निर्देश में आयोजित हुआ, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों को एक ही स्थान पर समग्र स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। शिविर में 60 से अधिक पेंशनरों ने भाग लिया। अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में पेंशनरों की विस्तृत स्वास्थ्य जाँच की गई। इस दौरान सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ रक्तचाप एवं मधुमेह (शुगर) जाँच, ईसीजी, लैब टेस्टिंग, नेत्र परीक्षण, 2डी इको तथा हियरिंग एड जैसी सुविधाएँ प्रदान की गईं।

आधार सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने पर कलेक्टर का जोर

सुकमा। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशानुसार आधार नामांकन एवं अद्यतन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आधार की नवीनतम सॉफ्टवेयर प्रणाली 'यूनिवर्सल क्लाइंट' के माध्यम से नामांकन एवं अपडेट प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में चिप्स, डाकघर तथा सीएससी से जुड़े आधार ऑपरेटरों ने भाग लिया। कलेक्टर अमित कुमार ने कहा कि आधार ऑपरेटरों की भूमिका शासन और जनता के बीच एक मजबूत सेतु के समान है। आपका कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि आधार कार्ड आज सभी शासकीय योजनाओं की आधारशिला बन चुका है।

प्रत्येक 7 को ग्राम पंचायतों में मनाया जाएगा आवास दिवस

सुकमा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुकमा जिले के सभी ग्राम पंचायतों में प्रत्येक माह की 07 तारीख को 'आवास दिवस' आयोजित किया जाएगा। इसी दिन मनरेगा रोजगार दिवस एवं चावल महोत्सव का आयोजन भी एक साथ किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को लाभ एक ही मंच पर प्राप्त होगा।

पुना मारगेम : 35 पुनर्वासितों को आईजी बस्तर ने सौंपा स्मार्टफोन और प्रशिक्षण किट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मंगलवार को पुना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल के अंतर्गत कोण्डागांव जिले के ग्राम देवखरगांव में संचालित पुनर्वास केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केन्द्र में रह रहे पुनर्वासित युवाओं से संवाद कर प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं शासकीय योजनाओं के लाभ की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने 35 पुनर्वासित युवाओं को स्मार्टफोन एवं प्रशिक्षण किट का वितरण भी किया।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने पुनर्वासित लोगों से चर्चा करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि हिंसा का मार्ग छोड़ चुके लोगों को कौशल प्रशिक्षण एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे सम्मानजनक जीवनयापन सकें और समाज में

सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनें। उन्होंने पुनर्वासितों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण अवधि का पूरे उत्साह और लगन के साथ उपयोग करें तथा यहां से सीखकर जीवन को बेहतर बनाने के साथ-साथ अपने गांवों तक भी पहुँचाएं। उन्होंने विकास के मार्ग को अपनाने के लिए पुनर्वासितों का आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने पुनर्वास केन्द्र में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि शासन का उद्देश्य है कि प्रशिक्षण उपरांत पुनर्वासित व्यक्ति स्वरोजगार के माध्यम से जीविकोपार्जन में स्वयं सक्षम हो सके। पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा ने पुना मारगेम योजना के तहत विभिन्न ट्रेड में दिए जा रहे कौशल प्रशिक्षण एवं शासकीय योजनाओं से जोड़े जाने की प्रक्रिया की जानकारी दी।

श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर उन्नयन महाभियान का शुभारंभ

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बैंक अकाउंट एवं क्यूआर कोड का किया विमोचन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर के समग्र उन्नयन, सौंदर्यीकरण एवं भव्य मंदिर निर्माण के उद्देश्य से प्रारंभ किए गए श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर उन्नयन महा अभियान का आज उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मंदिर उन्नयन अभियान के लिए खोले गए बैंक एकाउंट एवं क्यूआर कोड का भी विमोचन किया। इस डिजिटल सुविधा के माध्यम से अब जिलेवासी, श्रद्धालु एवं दानदाता कहीं से भी सहज रूप से ऑनलाइन दान कर मंदिर के विकास एवं उन्नयन कार्यों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे।

इस अवसर पर सांसद संतोष पाण्डेय, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, पूर्व विधायक योगेश्वर राज सिंह, अशोक साहू, जिला पंचायत सभापति डॉ. बीरेन्द्र साहू, नगर पालिका

अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, जनपद उपाध्यक्ष गणेश तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, विजयलक्ष्मी तिवारी, सतविंदर पाहुजा सहित समस्त पार्षद, जनप्रतिनिधि, पंचमुखी बूढ़ा महादेव सेवा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह महाअभियान जनसहभागिता, आस्था एवं श्रद्धा का प्रतीक है, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। उन्होने कहा कि क्यूआर कोड से जिले के नागरिक अधिक से अधिक सहयोग कर इस पुण्य कार्य से जुड़ सकेंगे। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे इस महाअभियान में सहभागी बनकर भगवान श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव के भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प को साकार करें। आज ही इस महाअभियान के शुभारंभ अवसर पर कवर्धा शहर के नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर दान कर अपनी श्रद्धा और सहभागिता का परिचय दिया। सभी नागरिकों ने श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर के उन्नयन एवं भव्य निर्माण के लिए हर संभव सहयोग देने का संकल्प लिया।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर उन्नयन महाअभियान कवर्धा नगर के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। क्यूआर कोड एवं बैंक एकाउंट के माध्यम से आम नागरिक भी अब सरलता से इस पुण्य कार्य में सहभागी बन सकेंगे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि इस महाअभियान में समाज के हर वर्ग को सहभागी बनना चाहिए, ताकि भगवान बूढ़ा महादेव की कृपा से यह कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो सके।

दिव्यांग नेमी को डिप्टी सीएम ने भेंट की पेट्रोल चलित स्कूटी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की संवेदनशील पहल से एक बार फिर दिव्यांगजन को आत्मनिर्भरता की राह मिली है। विकासखंड बोड़ला के ग्राम सरेखा निवासी एक पैर से दिव्यांग श्री नेमीसिंह साहू को आज विधायक कार्यालय कवर्धा में पेट्रोल चलित स्कूटी प्रदान की गई।

एक कृषक परिवार से आने वाले नेमीसिंह साहू ने लगभग बारह वर्ष पूर्व एक सड़क दुर्घटना में अपना एक पैर खो दिया था। दिव्यांगता के कारण उन्हें दैनिक आवागमन और जीवनयापन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अपने प्रतिदिन के कार्यों के लिए आना-जाना उनके लिए अत्यंत मुश्किल हो गया था।

अपनी समस्या को लेकर श्री साहू ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को आवेदन दिया था। उनकी सामाजिक - आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने तुरंत सहायता दिलाने के निर्देश दिए थे। जिसके तहत आज उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने खुद उन्हें उनके वाहन की चाभी भेंट की। स्कूटी पाकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था। नेमीसिंह ने वर्षों से कोई वाहन नहीं चलाया था तो जैसे ही उन्होंने स्कूटी चालू की और स्कूटी डगमगाई उपमुख्यमंत्री ने उन्हें थाम लिया और अपने सामने उनसे स्कूटी चालन की प्रैक्टिस भी कराई।

पीडीएस के तहत छत्तीसगढ़ में 2.73 करोड़ लोगों को मिल रही खाद्यान्न सुरक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत 82.18 लाख राशन कार्ड प्रचलित है। इन राशन कार्डों में पंजीकृत सदस्यों की संख्या 2.73 करोड़ है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के वास्तविक हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने ई-केवायसी का कार्य निरंतर जारी है। अब तक 85 प्रतिशत सदस्यों का ई-केवायसी का काम पूर्ण हो चुका है। लगभग 30.32 लाख सदस्यों का ई-केवायसी हेतु शेष है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य के सभी शासकीय उचित मूल्य के दुकानों में संचालित ई-पास मशीन में ई-केवायसी की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त "मेरा ई-केवायसी" एप्प के माध्यम से भी ई-केवायसी किए जा सकते हैं। एप्प के माध्यम से ई-केवायसी करने हेतु एंड्रायड मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर से एप्प डाउनलोड कर हितग्राही अपना आधार नंबर डालकर आधार ओटीपी के माध्यम से फेस ई-केवायसी कर सकते हैं।

उज्ज्वला गैस : पूनम और बबीता को मिला कनेक्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना आज गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की मिसाल बनती जा रही है। इसी कड़ी में मुंगेली नगर पालिका के अंतर्गत बशीर खान वार्ड की दो जरूरतमंद महिलाओं को इस योजना का लाभ मिला, जिससे उनके परिवार के जीवन में बड़ा परिवर्तन आया है।

बशीर खान वार्ड, मुंगेली निवासी श्रीमती पूनम चक्रवर्ती को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस चूल्हा एवं भरा हुआ

एलपीजी सिलेंडर प्रदान किया गया। इससे पहले पूनम चक्रवर्ती लकड़ी और कंडे से खाना बनाती थीं। घर के भीतर धुएँ का भारी गुबार भर जाता था, जिससे आंखों में जलन, सांस लेने में तकलीफ और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बनी रहती थीं। लकड़ी इकट्ठा करने और चूल्हे पर खाना पकाने में अत्यधिक समय लग जाता था, जिससे समय पर भोजन भी नहीं बन पाता था। अब गैस कनेक्शन मिलने के बाद उनके घर में धुएँ से पूरी तरह राहत मिल गई है। पूनम चक्रवर्ती ने इस योजना को अपने जीवन के लिए वरदान बताया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

इसी वार्ड की एक अन्य लाभार्थी श्रीमती बबीता कुम्हार को भी उज्ज्वला योजना के तहत गैस चूल्हा व भरा सिलेंडर प्रदान किया गया। बबीता कुम्हार के चार सदस्यीय परिवार में पहले लकड़ी-कंडे से खाना बनाया जाता था, जिससे घर में धुआँ भर जाता था और बच्चों व महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। अब गैस सुविधा मिलने से भोजन जल्दी और सुरक्षित तरीके से तैयार हो रहा है।

लेखा प्रशिक्षण के लिए आवेदन 1 जनवरी से

रायपुर। संचालनालय कोष, लेखा एवं पेंशन के आदेशानुसार आगामी लेखा प्रशिक्षण सत्र मार्च 2026 से जून 2026 के लिये 01 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 के मध्य की अवधि में आवेदन पत्र स्वीकार किये जायेंगें। प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला ने बताया कि लेखा प्रशिक्षण सत्र मार्च 2026 से जून 2026 के लिए 3 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर चुके लिपिक वर्गीय कर्मचारी अपने कार्यालय प्रमुख के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में के आवेदन पत्र भेज सकते हैं। यह आवेदन शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला,नगर घड़ी चौक रायपुर को 31 जनवरी 2026 तक कार्यालयीन समय में प्राप्त हो जाना चाहिए। लिपिक वर्गीय कर्मचारी से आशय ऐसे कर्मचारी से है जिनकी पदस्थापना लिपिकीय संवर्ग के पद पर हुई है न कि किसी तकनीकी संवर्गीय पद पर।

कुपोषण पर बड़ी जीत : रियांश के जीवन में लौटी मुस्कान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कुपोषण उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और अधिकारियों के सतत निगरानी के चलते कुपोषण से जूझ रहे बच्चों को नया जीवन मिल रहा है। इसका प्रेरक उदाहरण बीजापुर परियोजना के रेड्डी सेक्टर अंतर्गत ग्राम पंचायत पालनार के आंगनबाड़ी केंद्र पालनार स्कूलपारा में देखने को मिला, जहां गंभीर कुपोषण से पीड़ित रियांश आज पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य श्रेणी में आ गया है।

आंगनबाड़ी केंद्र में पंजीकृत बालक रियांश, पिता बाबलू ताती एवं माता नमिता ताती, नियमित वजन एवं स्वास्थ्य जांच के दौरान गंभीर कुपोषण की स्थिति में पाया गया। उस समय बच्चे का वजन मात्र 6 किलो 200 ग्राम और लंबाई 62.1 सेंटीमीटर दर्ज की गई, जो उसकी आयु के अनुसार अत्यंत कम थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे विशेष निगरानी सूची में शामिल कर त्वरित उपचार प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

इस कार्य में परियोजना बीजापुर की टीम, पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता , सहायिका, ग्राम पंचायत सचिव और सरपंच का सराहनीय योगदान रहा। बेहतर उपचार एवं पोषण प्रबंधन के लिए रियांश को न्यूट्रिशन रिहैबिलिटेशन सेंटर (एनआरसी) में भर्ती कराया गया, जहां उसे संतुलित आहार, आवश्यक दवाइयां, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तथा माता को पोषण संबंधी परामर्श प्रदान किया गया।

जल जीवन मिशन से नल-जल का सपना हुआ साकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शासन की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के माध्यम से मुंगेली जिले में हर घर नल से शुद्ध जल उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। जिले के सभी 674 ग्रामों में घर-घर शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए तेजी से कार्य कराए जा रहे है। अब तक जिले के एक लाख 48 हजार 875 परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान किया जा चुका है, जिससे ग्रामीण जीवन में सुखद बदलाव आया है।

योजना के अंतर्गत अब तक 236 ग्रामों को हर घर जल ग्राम घोषित कर संबंधित ग्राम पंचायतों को योजनाओं का विधिवत हस्तांतरण किया जा चुका है। शेष ग्रामों में भी कार्य अंतिम चरण में है तथा उन्हें शीघ्र हर घर जल घोषित किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। विकासखंड मुंगेली अंतर्गत 126 ग्राम पंचायतों के 263 ग्रामों हेतु स्वीकृत योजनाओं में से 100 ग्रामों में कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि 94 ग्रामों में हर घर जल का कार्य संपन्न कर योजनाओं का संचालन ग्राम पंचायतों द्वारा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त स्वीकृत 215 उच्च स्तरीय जलागारों में से 141 का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।

धान खरीदी तिहार लेकर आई खुशियों और राहत की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत प्रदेशभर में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। शासन की इस किसान-हितैषी व्यवस्था ने खेतों में महीनों की मेहनत करने वाले अन्नदाताओं को आर्थिक संबल और आत्मविश्वास प्रदान किया है। मौसम की अनिश्चितताओं और कठिन परिश्रम के बीच तैयार की गई फसल का उचित मूल्य समय पर मिलने से किसानों के चेहरे पर संतोष और भरोसे की मुस्कान दिखाई दे रही है।

प्रदेश के सभी धान उपार्जन केंद्रों में खरीदी की प्रक्रिया तेज, सुव्यवस्थित और पारदर्शी ढंग से संचालित की जा रही है। ऑनलाइन एवं ऑफलाइन टोकन व्यवस्था, सरल प्रक्रिया और समयबद्ध भुगतान ने किसानों को

अनावश्यक प्रतीक्षा और असुविधा से मुक्त किया है। डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग से खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और भरोसा दोनों बढ़े हैं।

इसी क्रम में धान उपार्जन केंद्र पेंड्री पहुंचे किसान श्री नरेश रात्रे ने 30.80 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि बीज, खाद, सिंचाई और श्रम पर आने वाली लागत के बाद जब उपज का उचित मूल्य समय पर मिल जाता है, तो किसान का मनोबल कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि केंद्र में नमी परीक्षण, तौल और टोकन वितरण की पूरी प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी और व्यवस्थित है।

किसान श्री रात्रे ने विशेष रूप से तुंहर टोकन मोबाइल ऐप की सराहना करते हुए कहा कि इस डिजिटल सुविधा ने भीड़, लंबी कतारों और अनावश्यक इंतजार की समस्या को समाप्त कर दिया है। घर बैठे ऑनलाइन टोकन बुक कर निर्धारित समय पर केंद्र पहुंचने से धान की खरीदी सुगमता से हो जाती है, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की यह व्यवस्था किसानों की मेहनत को सही सम्मान देने वाली है। धान उपार्जन केंद्रों पर छांव, पेयजल, शौचालय सहित सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता से किसानों को सम्मानजनक और सुविधाजनक वातावरण मिल रहा है।

प्रदेशभर में जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी केंद्रों की सतत निगरानी की जा रही है। बेहतर प्रबंधन, डिजिटल प्रणाली और प्रशासनिक सक्रियता के कारण धान खरीदी पूर्ण पारदर्शिता, गति और सुगमता के साथ संपन्न हो रहा है, जिससे किसान वर्ग में संतोष और विश्वास का वातावरण निर्मित हुआ है।

प्रशासनिक अधिकारियों को मिला आंतरिक सशक्तिकरण का मंत्र...

नवा रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मुम्बई की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी श्रेया दीदी ने कहा कि अपने हर विचार के लिए हम स्वयं जिम्मेदार होते हैं। मन की शान्ति के लिए जरूरी है कि हम सही सोचें। डॉक्टर्स का कहना है कि शरीर की हर बिमारी का मूल कारण हमारी मानसिक अवस्था में छिपा हुआ है। इसलिए किसी बात को मन में दबाकर न रखें। उसे किसी के आगे बतलाकर हल्के हो जाएं। वह ब्रह्माकुमारीज के प्रशासनिक सेवा प्रभाग द्वारा छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी निमोरा में शासकीय अधिकारियों के लिए आयोजित वर्कशाप में अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। विषय था- प्रशासनिक अधिकारियों में आवश्यक व्यक्तिगत कौशल-ह्माकुमारी श्रेया दीद वर्तमान समय में बाहरी चुनौतियों से अधिक आंतरिक स्थिति को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब हम अपने मन को नियंत्रित कर लेते हैं, तो बाहरी परिस्थितियाँ स्वतः ही हमारे अनुकूल होने लगती हैं। उन्होंने बतलाया कि हमारा मन कमजोर होगा तो छोटी-छोटी समस्याएं भी पहाड़ जैसी महसूस होगी। अपनी कार्यक्षमता और निर्णय शक्ति को बढ़ाने के लिए मेडिटेशन द्वारा आत्मबल को बढ़ाएं।

बॉलीवुड की ग्लैमर क्वीन और फिटनेस की प्रेरणा गुरलीन चोपड़ा निभा रहीं डबल रोल

फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने एक्टिंग के साथ ही अपनी फिटनेस और हेल्थ की दुनिया में भी कदम रखा है। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं गुरलीन चोपड़ा, जिनका नाम फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ फिटनेस के क्षेत्र में भी जाना जाता है। गुरलीन की कहानी सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने सही जीवनशैली और फिटनेस के महत्व पर भी जोर दिया है।

गुरलीन चोपड़ा का जन्म पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ में हुआ। उन्होंने मिस चंडीगढ़ का खिताब जीता। यह उनके लिए करियर की दिशा बदलने वाला पल साबित हुआ। दोस्तों के सुझाव की वजह से उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। शुरुआत में उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो और विज्ञापनों में काम किया, यहां से उन्हें फिल्म इंडस्ट्री तक पहुंचने का मौका मिला।

गुरलीन ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत हिंदी फिल्म इंडियन बाबू से की। इसके बाद उनकी अगली फिल्म कुछ तो गड़बड़ है आई, जिसमें उन्होंने एक अनाथ लड़की का किरदार निभाया। इस दौरान उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में भी अपने पैर जमाए। तेलुगु फिल्म आयुधम उनके करियर की शुरुआती फिल्मों में शामिल है। इसके बाद उन्होंने कन्नड़ और तमिल फिल्मों में भी अभिनय किया। कन्नड़ फिल्म मनमथा में उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई, जिसे दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने बहुत सराहा।

गुरलीन का करियर सिर्फ फिल्मों तक ही सीमित नहीं रहा। उन्होंने अपनी फिटनेस और हेल्थ के प्रति लगाव को बिजनेस में बदल दिया। इसके तहत, उन्होंने लोगों को सही डाइट, योग और व्यायाम के जरिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने डायबिटीज, हार्मोनल अनबैलेंस और थॉयराइड जैसी समस्याओं में प्राकृतिक और हेल्दी उपाय अपनाने की प्रेरणा दी। गुरलीन ने दुनिया भर में लाखों लोगों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में मदद की है।

गुरलीन ने अपने करियर में डबल रोल, एक्ट्रेस और फिटनेस कोच, की भूमिका निभाई, जो उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाती है।

समंदर किनारे मौनी रॉय का हॉटनेस तूफान! नागिन की जहरीली अदा देख फैंस हुए बेहोश!

बॉलीवुड और टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस मौनी रॉय एक बार फिर अपनी लेटेस्ट तस्वीरों की वजह से सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस ने अपने वेकेशन शूटिंग लोकेशन और कॉन्सर्ट ट्रिप की कई खूबसूरत फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। जैसे ही तस्वीरें सामने आईं, सोशल मीडिया पर फैंस की नजरें ठहर गईं और कमेंट सेक्शन तारीफों से भर गया। मौनी का बिकिनी और टू-पीस लुक इतना ग्लैमरस है कि लोग उन्हें हॉटनेस क्वीन कहकर बुला रहे हैं।

मौनी रॉय ने अपने ट्रिप की एक तस्वीर में ब्लू टू-पीस ड्रेस में पोज दिया है। हाथों में गुलाब के फूल थामे मौनी बेहद क्लासी और एलिगेंट लग रही हैं। इस फोटो पर फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं कि ये तो किसी फिल्म का पोस्टर लग रहा है।

वहीं दूसरी तस्वीर में मौनी ने प्रिंटेड बिकिनी पहनकर अपने कर्वी फिगर को फ्लॉन्ट किया है। उनके इस बोल्ड लुक ने इंटरनेट पर सचमुच तूफान ला दिया है। यह फोटो बाकी सभी से ज्यादा वायरल हो रही है और फैंस इसे जलवा , कहर और फायर का टैग दे रहे हैं।

एक तस्वीर में मौनी मिरर वर्क वाले लहंगे में स्टाइलिश अंदाज में पोज देती दिख रही हैं। उनकी पतली कमर और ग्रेसफुल अंदाज ने फैंस को एक बार फिर दिवाना बना दिया है। कमेंट्स में लोग लिख रहे हैं, ये लुक तो किसी फेयरीटेल की प्रिंसेस जैसा है।

इन सारी तस्वीरों को शेयर करते हुए मौनी ने कैप्शन में लिखा, सर्दियों की धूप, शूटिंग, टीटी और ढेर सारा डांस... सआभारी, स्वीट नवंबर। उनका यह कैप्शन फोटो सीरीज को और भी रिलेटेबल और खूबसूरत बना रहा है।

बहरहाल, मौनी ने एक पोस्ट में हर वेरिएशन की तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल जीत लिया है, हर एक तस्वीर में एक्ट्रेस ने एक से बढ़कर एक पोज दिए हैं, जो फैंस का ध्यान खींच रहे हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी रॉय आखिरी बार संजय दत्त, पलक तिवारी और सनी सिंह के साथ फिल्म द भूतनी में दिखाई दी थीं. जिसने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास काम नहीं किया, जिसे मिलेजुले रिएक्शन्स मिले थे।

एंड्रिया जेरेमिया ने पिसाची 2 में इरोटिक सीन्स की पुष्टि की न्यूडिटी की अफवाहों पर सफाई दी

तमिल एक्ट्रेस और सिंगर एंड्रिया जेरेमिया ने मैस्किन द्वारा डायरेक्टेड अपकमिंग हॉरर फिल्म पिशाची 2 में न्यूड कंटेंट को लेकर चल रही अफवाहों पर बात की है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, एंड्रिया ने साफ किया कि फिल्म में कोई न्यूडिटी नहीं है, लेकिन इसमें कई इरोटिक सीन ज़रूर हैं। उन्होंने बताया कि शुरुआत में न्यूडिटी स्क्रिप्ट का हिस्सा थी, लेकिन मैस्किन ने शूटिंग के दौरान उन हिस्सों को हटाने का फैसला किया।

एंड्रिया ने मिस्किन के विज़न और इरादों की तारीफ़ करते हुए कहा कि वह यह फ़िल्म सिर्फ़ गुज़ारा करने के लिए नहीं बना रहे हैं, क्योंकि उन्होंने पहले बड़े हीरो के साथ काम किया है। उन्होंने डायरेक्टर के फ़ैसलों पर भरोसा जताया, यहाँ तक कि जब उनसे भड़काऊ कंटेंट की मांग की गई, जैसे कि अपनी स्कर्ट नीचे करने के लिए कहा गया। इस फ़िल्म में टैलेंटेड कलाकार हैं, जिनमें मक्कल सेल्वन विजय सेतुपति कैमियो रोल में, पूर्णा और संतोष प्रताप अहम भूमिकाओं में शामिल हैं।

रॉकफोर्ट एंटरटेनमेंट के तहत टी मुरुगनंथम द्वारा प्रोड्यूस की गई पिशाची 2 को फाइनेंशियल दिक्कतों के कारण देरी का सामना करना पड़ा है। फिल्म का म्यूज़िक कार्तिक राजा ने कंपोज़ किया है, और टॉलीवुड प्रोड्यूसर दिल राजू ने तेलुगु राज्यों में इसके थिएट्रिकल राइट्स खरीद लिए हैं। अफवाहों के बावजूद, एंड्रिया इस प्रोजेक्ट को लेकर कॉन्फिडेंट हैं, और फैंस इसकी रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

मिस्किन की पिशाची 2 अपने इरोटिक सीन्स और इंटेंस कहानी के मेल के साथ एक रोमांचक हॉरर अनुभव देने का वादा करती है। अपनी टैलेंटेड कास्ट और क्रू के साथ, फिल्म से एक अनोखा सिनेमैटिक अनुभव देने की उम्मीद है। जैसे-जैसे रिलीज़ डेट पास आ रही है, और भी अपडेट आने की उम्मीद है, जिससे फैंस उत्साहित और जुड़े रहेंगे।

रणवीर सिंह के पीछे हटते ही ऋतिक रोशन को मिली डॉन 3 बाहर आई ये जानकारी

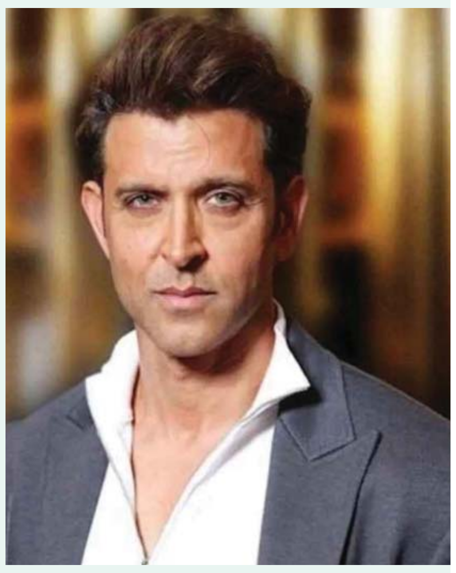

फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 ईद का चांद बन चुकी है जिसका इंतजार बढ़ता जा रहा है। धुरंधर की रिलीज के बाद उम्मीद थी कि रणवीर सिंह इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे। हालांकि, लोगों की उम्मीदों को तोड़ते हुए उन्होंने डॉन 3 से किनारा कर लिया। उनके बाहर होने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा है कि डॉन का किरदार, ऋतिक रोशन निभा सकते हैं। जानिए क्या वाकई ऋतिक ने डॉन 3 के लिए हामी भर दी है।

डॉन 3 के निर्माता, ऋतिक को फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनाने पर विचार कर रहे हैं। सूत्र ने कहा, रणवीर के जाने के बाद, ऋतिक इस भूमिका के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में सामने आए हैं। हालांकि बातचीत शुरुआती दौर में है, लेकिन देखना दिलचस्प होगा कि अभिनेता इस प्रोजेक्ट से जुड़ते हैं या नहीं। जाहिर है कि शाहरुख खान की डॉन 2 में ऋतिक ने दमदार कैमियो किया था।

सूत्र ने बताया कि निर्माताओं को डॉन 3 से उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। उन्हें बखूबी पता है कि फिल्म के लिए ऐसे चेहरे की जरूरत है, जिसका शानदार करियर रहा हो। जो भी यह जिम्मेदारी संभालेगा, उसे अमिताभ बच्चन (डॉन, 1978) की विरासत को आगे ले जाना होगा। शाहरुख की विरासत को भी, जिन्होंने 2006 और 2011 में फिल्म के किरदार को नए सिरे से पेश किया। देखना होगा कि डॉन 3 को लेकर निर्माताओं का अगला कदम क्या होगा।

किक 2 पर आ गया सबसे बड़ा अपडेट

सलमान खान को आखिरी बार सिकंदर में देखा गया था, जिसे लोगों ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी। सुपरस्टार आगामी फिल्म बैटल ऑफ गलवान में व्यस्त चल रहे हैं जिसे 2026 में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा, सलमान किक 2 पर भी काम शुरू कर चुके हैं। इस बात की पुष्टि उन्होंने खुद बिग बॉस 19 में की थी। अब इस सीक्वल से जुड़ा बड़ा अपडेट आ रहा है जिसे जानने के बाद, प्रशंसक खुशी से झूम उठेंगे। बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड के मुताबिक, निर्माता साजिद नाडियाडवाला किक 2 के ऐलान की योजना बना रहे हैं। सलमान के जन्मदिन यानी, 27 दिसंबर को फिल्म की आधिकारिक घोषणा की जा सकती है।

लिपस्टिक लगाते समय न करें ये 5 गलतियां, बिगड़ सकता है पूरा लुक

लिपस्टिक कई महिलाओं की सुंदरता का अहम हिस्सा है। हालांकि, लिपस्टिक लगाते समय कई महिलाएं कुछ ऐसी गलतियां कर बैठती हैं, जो उनके लुक को बिगाड़ सकती हैं। इन गलतियों के कारण लिपस्टिक शेड सही तरह से नहीं बैठता या फिर लंबे समय तक नहीं टिकता। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताते हैं, जिन्हें लिपस्टिक लगाते समय करने से बचना चाहिए ताकि आपका लुक हमेशा बेहतरीन रहे।

होंठों को साफ न करना

लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों की सफाई करना बहुत जरूरी है। अगर आप यह कदम छोड़ देती हैं तो आपका लुक बिगड़ सकता है। सफाई से सूखी त्वचा हटती है, जिससे होंठ चिकने और मुलायम बनते हैं। इसके बाद लिपस्टिक शेड होंठों पर सही तरह से बैठता है और लंबे समय तक टिका रहता है। सफाई से लिपस्टिक का लुक भी बेहतर होता है और आपके होंठों की सुंदरता उभरकर आती है।

बेस न लगाना

बेस का उपयोग करने से आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहती है। अगर आप बेस का उपयोग नहीं करती हैं तो आपकी लिपस्टिक जल्दी धुंधली हो सकती है और आपको बार-बार इसे ठीक करने की जरूरत पड़ सकती है। बेस लगाने से आपके होंठों की बनावट समान होती है और लिपस्टिक शेड सही तरह से बैठता है। इससे आपका लुक भी बेहतरीन दिखता है और लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहती है।

सही शेड का चयन न करना

लिपस्टिक खरीदते समय सही शेड का चयन करना बहुत जरूरी है। कई महिलाएं दुकानदार की सलाह पर बिना सोचे-समझे कोई भी शेड चुन लेती हैं, जो उनके चेहरे पर अच्छा नहीं लगता। हमेशा अपनी त्वचा के रंग और चेहरे की बनावट को ध्यान में रखकर ही लिपस्टिक शेड चुनें। इससे आपका लुक बेहतरीन दिखेगा और आप हमेशा खूबसूरत लगेंगी। सही शेड चुनने से आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहती है और आपका चेहरा निखरा हुआ दिखता है।

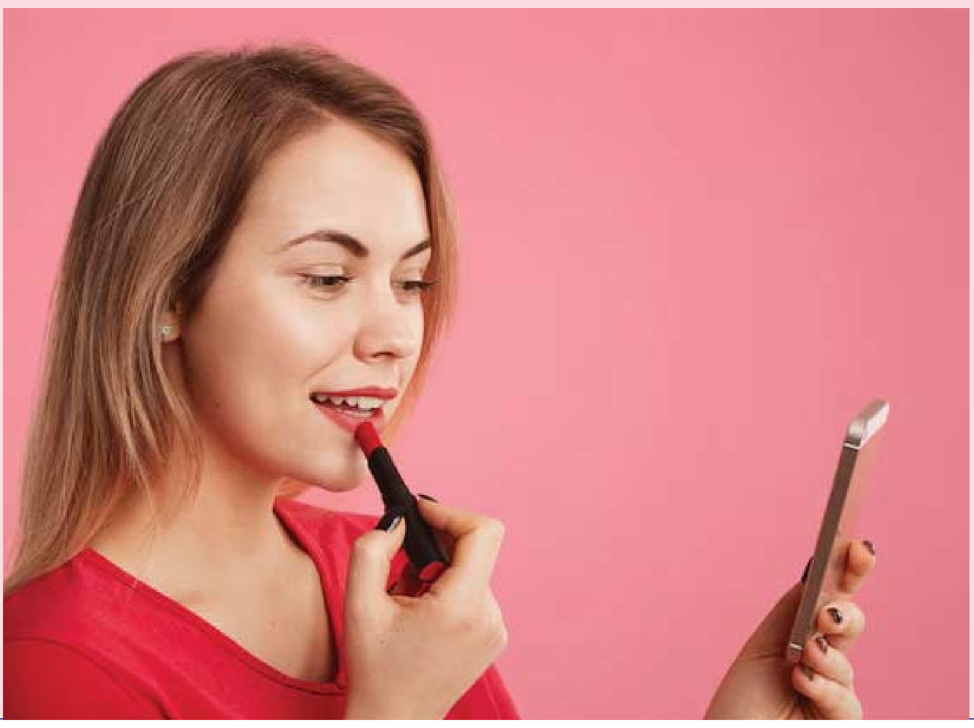

होंठों की सीमा का ध्यान न रखना

अगर आप चाहती हैं कि आपकी लिपस्टिक पूरे दिन सही रहे तो इसके लिए होंठों की सीमा का ध्यान जरूर रखें। यह आपकी लिपस्टिक को फैलने से रोकता है और आपके होंठों को एक साफ और सुंदर लुक देता है। इसके अलावा इससे आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहती है और आपको बार-बार इसे ठीक करने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे आपके होंठों की बनावट समान होती है और लिपस्टिक शेड सही तरह से बैठता है।

ज्यादा मात्रा में लिपस्टिक लगाना

ज्यादा मात्रा में लिपस्टिक लगाने से आपका लुक ज्यादा बनावटी लग सकता है इसलिए हमेशा थोड़ी मात्रा में ही लिपस्टिक लगाएं। इससे आपका लुक सुंदर और आकर्षक दिखेगा। लिपस्टिक लगाने के बाद अपने होंठों की बनावट को ध्यान में रखते हुए हल्का सा दबाएं ताकि अतिरिक्त तेल हट जाए और लिपस्टिक सेट हो जाए। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर आप अपनी लिपस्टिक को बेहतरीन बना सकती हैं और हमेशा खूबसूरत दिख सकती हैं।

खास खबर

मुख्यमंत्री साय के स्पष्ट निर्देशः हर माह 07 तारीख को ग्राम पंचायतों में मनाया जाएगा 'आवास दिवस'

सुकमा। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पात्र परिवारों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराने की दिशा में सुकमा जिले में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुकमा जिले के सभी ग्राम पंचायतों में प्रत्येक माह की 07 तारीख को 'आवास दिवस' आयोजित किया जाएगा। इसी दिन मनरेगा रोजगार दिवस एवं चावल महोत्सव का आयोजन भी एक साथ किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही मंच पर प्राप्त हो सके। इस संबंध में कलेक्टर अमित कुमार के द्वारा जिले की सभी जनपद पंचायतों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। आवास दिवस पर होंगे ये प्रमुख कार्य आवास दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत स्तर पर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के स्वीकृत एवं निर्माणाधीन आवासों की सूची का वाचन किया जाएगा। 90 दिनों के भीतर आवास पूर्ण करने वाले हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। जिन हितग्राहियों की किश्त की राशि लंबित है, उनके प्रकरणों का मौके पर निराकरण कर राशि खाते में शीघ्र अंतरण किया जाएगा। मनरेगा मजदूरी भुगतान की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने जनदर्शन में सुनीं फरियादियों की समस्याएं

कोरिया। कोरिया जिले की कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने वर्ष 2025 के अंतिम साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट परिसर के खुले आसमान के नीचे, मीठी धूप में आमजन की समस्याएँ सुनीं। बैकुंठपुर, पटना, सोनहत एवं पोड़ी-बचरा से आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए, जिन्हें कलेक्टर ने गंभीरता से पढ़ते हुए त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उल्लेखनीय है कि आज वर्ष 2025 का अंतिम जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समीप सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने आम नागरिकों की समस्याएँ न केवल सुनीं, बल्कि उनके शीघ्र एवं नियमसम्मत समाधान के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए।

प्लेसमेंट कैम्प में 52 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

रायगढ़ । जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र रायगढ़ द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि प्लेसमेंट कैम्प में 3 नियोजक संस्थानों द्वारा कुल 288 रिक्त पदों पर भर्ती की जा रही है। कैम्प में 123 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए पंजीकृत हुए, जिनमें से 52 अभ्यर्थियों का चयन कर लिया गया है, जबकि शेष अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया प्रक्रियाधीन है। प्लेसमेंट कैम्प के अंतर्गत फील्ड टेक्नीशियन, एसेट मैनेजर, हाउसकीपिंग, सिक्योरिटी गार्ड एवं वेटर पदों पर भर्ती की प्रक्रिया सम्पन्न हुई। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा आयोजित यह प्लेसमेंट कैम्प युवाओं के लिए रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक सार्थक पहल सिद्ध हुआ है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने की प्रदेश की स्वास्थ्य स्थिति की उच्च स्तरीय समीक्षा

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने आठ मेडिकल कॉलेजों के लिए केंद्र के समक्ष रखी पृथक अस्पताल स्थापित करने की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य सेवाओं में तेज़ और प्रभावी सुधार की दिशा में केंद्र सरकार ने निर्णायक कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने बैठक में राज्यों को स्वास्थ्य क्षेत्र में मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य समयबद्ध रूप से प्राप्त किया जाएगा तथा जनभागीदारी आधारित मॉडल से स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ किया जाएगा।

बैठक के दौरान प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सचिव स्वास्थ्य अमित कटारिया, मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन रणबीर शर्मा व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इस दौरान नड्डा ने दवा विनियमन को कड़ा करने, निदान सुविधाओं का विस्तार करने, टेलीमेडिसिन व रोगी-केंद्रित देखभाल को बढ़ावा देने तथा जनभागीदारी को व्यापक रूप से सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देशभर में स्वास्थ्य परामर्श अभियान की शुरुआत की गई है, जिसके माध्यम से औषधि प्रबंधन, निदान सेवाओं और जनस्वास्थ्य पहलों को नई दिशा मिलेगी और इनका प्रभाव सीधे नागरिकों तक पहुँचेगा।

केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिए कि राज्यों के सभी रक्तकोष निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें तथा उनकी नियमित निगरानी व निरीक्षण को कठोर बनाया जाए। नि:शुल्क औषधि एवं निदान योजना के अंतर्गत अधिकतम जनसंख्या को लाभान्वित करने, खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम को प्राथमिकता देने और खाद्य एवं औषधि परीक्षण क्षमता को बढ़ाने के लिए राज्यों को ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम को तेज़ी से आगे बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए अधिक से अधिक निक्षय मित्र बनाने और उनके माध्यम से क्षय रोगियों के लिए पोषण एवं खाद्य सहायता उपलब्ध कराने पर बल दिया गया। श्री नड्डा ने कहा कि जोखिमग्रस्त आबादी में एक्स-रे आधारित जाँच को तीव्र गति से पूर्ण कर समयबद्ध निदान सुनिश्चित किया जाएगा, वहीं सभी जिलों में डे-केयर कीमोथेरेपी सेवाएँ संचालित कर कैंसर उपचार को सुदृढ़ किया जाएगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि मातृ मृत्यु दर , शिशु मृत्यु दर तंत्र को मजबूत किया जाए, जबकि गैर-संचारी रोगों की 100 प्रतिशत स्क्रीनिंग लक्ष्य आधारित तरीके से पूरी की जाए। इसी क्रम में कुष्ठ नियंत्रण के लिए प्रत्येक तिमाही सक्रिय रोगी खोज अभियान, स्स्क्र और ड्डस्क्र पर उन्मुखीकरण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि ञ्जक्च कार्यक्रम को मज़बूत करने के लिए 146 हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनें राज्यों को उपलब्ध कराई जाएँगी। बैठक में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री द्वारा आठ मेडिकल कॉलेजों के लिए पृथक अस्पताल स्थापित करने की माँग भी केंद्र के समक्ष रखी गई । श्री नड्डा ने छत्तीसगढ़ की प्रगति की सराहना करते हुए मानव संसाधन में अतिरिक्त सहयोग हेतु केंद्र के सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि सिंगल नोडल एजेंसी प्रणाली ट्रस्ट मॉडल पर संचालित होती रहेगी, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों से खाद्य एवं औषधि नमूनों की जाँच बढ़ाई जाएगी और खाद्य सुरक्षा क्षमता विस्तार हेतु राज्य आवश्यक स्थान उपलब्ध कराएँगे, जिसके लिए केंद्र वित्तीय मदद प्रदान करेगा।

विस्तृत चर्चा के पश्चात केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य की साझेदारी ही स्वास्थ्य सुधारों की आधारशिला है। हमारा लक्ष्य केवल सेवाओं का विस्तार नहीं, बल्कि परिणामों पर केंद्रित बदलाव है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचे।

नगरी अंचल में हरित क्रांति की नींवः फुटहामुड़ा नहर से 22 गांवों को मिलेगी स्थायी सिंचाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धमतरी जिले के नगरी विकासखंड में बहुप्रतीक्षित फुटहामुड़ा नहर निर्माण परियोजना अब तेज़ी से मूर्त रूप ले रही है। यह महत्वाकांक्षी योजना क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ किसानों के जीवन में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है।

गंगरेल जलाशय के सैंडल डैम, ग्राम फुटहामुड़ा से प्रारंभ होकर लगभग 19.74 किलोमीटर लंबी यह नहर परियोजना नगरी विकासखंड के 22 ग्रामों के लगभग 1940 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को सुनिश्चित सिंचाई सुविधा प्रदान करेगी। परियोजना के पूर्ण होने से खरीफ के साथ-साथ रबी फसलों का रकबा बढ़ेगा, जिससे किसानों की उत्पादन क्षमता और आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है।

परियोजना के सुचारु क्रियान्वयन हेतु प्रशासनिक स्तर पर भी सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर ली गई हैं। मुख्य नहर से प्रभावित 10 ग्रामों में 14.33 हेक्टेयर भूमि का भू-अर्जन पूरा हो चुका है, वहीं वन प्रकरण से प्रभावित 24.42 हेक्टेयर भूमि की अंतिम स्वीकृति भी प्राप्त हो गई है। इन स्वीकृतियों के बाद निर्माण कार्य में आने वाली सभी प्रमुख बाधाएं समाप्त हो गई हैं और कार्य अब निर्बाध गति से आगे बढ़ रहा है। जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग के अनुसार, यह परियोजना केवल सिंचाई तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। सिंचाई सुविधा सुनिश्चित होने से कृषि आधारित रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, किसानों की आय में वृद्धि होगी और क्षेत्र से होने वाले पलायन पर भी प्रभावी रोक लगेगी।

ज्ञात हो कि फुटहामुड़ा नहर परियोजना नगरी विकासखंड के किसानों को दीर्घकालीन लाभ देने वाली योजना है। प्रशासन की प्राथमिकता है कि निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हो, ताकि यह परियोजना कृषि समृद्धि के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा दे सके। उल्लेखनीय है कि हाल ही में उच्च स्तरीय अधिकारियों द्वारा परियोजना स्थल का निरीक्षण कर निर्माण की प्रगति, तकनीकी पहलुओं और आवश्यक संसाधनों की समीक्षा की गई थी। अधिकारियों के मार्गदर्शन में अब कार्य को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। फुटहामुड़ा नहर परियोजना को नगरी अंचल में हरित क्रांति की नई शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

आधार सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर कलेक्टर का जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशानुसार आधार नामांकन एवं अद्यतन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कलेक्टोरेट के मीटिंग हॉल में आयोजित हुआ, जिसमें जिले के सभी आधार ऑपरेटरों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

आधार की नवीनतम सॉफ्टवेयर प्रणाली 'यूनिवर्सल क्लाइंट' के माध्यम से नामांकन एवं अपडेट प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में चिप्स, डाकघर तथा सीएससी से जुड़े आधार ऑपरेटरों ने भाग लिया।प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए कलेक्टर अमित कुमार ने कहा कि आधार ऑपरेटरों की भूमिका शासन और जनता के बीच एक मजबूत सेतु के समान है। आपका कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि आधार कार्ड आज सभी शासकीय योजनाओं की आधारशिला बन चुका है। आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्य पूर्ण गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं तीव्र गति से किया जाए, जिससे आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। प्रशिक्षण सत्र का संचालन यूआईडी क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद से आये सहायक प्रबंधक आशीष सर द्वारा किया गया। उन्होंने ऑपरेटरों को आधार सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने, अपनाने तथा नवीन तकनीकी बदलावों की जानकारी विस्तारपूर्वक प्रदान की।इस अवसर पर ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर मोहम्मद शाहिद, आधार जिला समन्वयक शेख शाहरुख तथा आईपीपीबी मैनेजर अनिल कुमार की उपस्थिति रही।

शैक्षणिक संस्थानों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम एवं विशेष शिविरों का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर-2026) कार्यक्रम संचालित है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दावा-आपत्ति प्राप्त करने की अवधि 23 दिसम्बर 2025 से 22 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। एसआईआर-2026 के तहत 23 दिसम्बर 2025 को प्रकाशित फोटोयुक्त मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए पात्र मतदाताओं सहित 01 जनवरी 2026 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं से घोषणा पत्र के साथ निर्धारित प्रपत्र-6 में आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त 01 अक्टूबर 2026 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं से भी प्रपत्र-6 में अग्रिम आवेदन लिया जाएगा।

निर्वाचन कार्यों की प्रभावशीलता बढ़ाने तथा युवाओं में मतदाता जागरूकता का वातावरण सृजित करने के उद्देश्य से जिले के सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों (महाविद्यालयों) में कैम्पस एंबेसडर की उपस्थिति में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में 01.01.2026, 01.04.2026, 01.07.2026 एवं 01.10.2026 को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले भावी मतदाताओं के आवेदन भी प्राप्त किए जाएंगे। जिले में विशेष शिविरों के आयोजन हेतु विस्तृत शेड्यूल तैयार कर उसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

स्माल गार्डनिंग से शहर सौंदर्यीकरण को मिल रहा नया लुक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। ऊर्जाधानी औद्योगिक नगरी कोरबा के शहर सौंदर्यीकरण को स्माल गार्डनिंग के द्वारा मनमोहक नया लुक दिया जा रहा है, चैक-चैराहों व सड़कों के किनारे स्माल गार्डनिंग कर विभिन्न प्रजातियों के फूलदार पौधे रोपित किए गए हैं, जिन में नयनाभिराम रंग बिरंगे फूल मुस्कुरा तथा पौधे सुंदरता बिखेर रहे हैं, इनसे चैक-चैराहों की सुंदरता बढ़ रही है, वहीं लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रियाएं भी लगातार सामने आ रही हैं, वे शहर सौंदर्यीकरण की दिशा में निगम के इस कदम की प्रशंसा कर रहे हैं।

नगर पालिक निगम कोरबा के महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में निगम द्वारा विभिन्न चैक-चैराहों, सड़कों किनारे तथा विविध स्थानों पर स्माल गार्डनिंग की गई है।

निगम द्वारा सीएसईबी चैक, सुभाष चैक, घंटाघर, अप्पू गार्डन, निगम कार्यालय साकेत, कलेक्ट्रेट एटीएम के पास, डी-1, डी-2 आवासगृह के समीप स्माल गार्डनिंग की गई हैं, इसके अंतर्गत विभिन्न थीम व डिजाईन पर विभिन्न प्रजातियों के फूलदार पौधे रोपित किए गए हैं, जिनमें रंग-बिरंगे फूल मुस्कुरा तथा स्माल पौधे सौंदर्य बिखेर रहे हैं, इससे शहर व स्थल की सुंदरता को नया लुक मिल रहा है, वहाँ से आने जाने वाले लोग अनायास ही इनसे आकर्षित हो रहे हैं।

निगम का सराहनीय कदम - सुभाष ब्लाक कोरबा निवासी फिरतराम यादव कहते हैं कि निगम ने जगह-जगह स्माल गार्डनिंग कर फूलदार पौधे रोपित किए हैं, साकेत भवन परिसर में भी इन पौधों का रोपण किया गया है, वहाँ पर एक ओर जहाँ रंग-बिरंगे फूल मुस्कुरा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर शाम के समय वाटर फाउंटेन चलने से वहाँ पर मनोहारी दृश्य उपस्थित होता है। श्री यादव ने यह भी कहा कि वर्तमान में निगम की साफ-सफाई व्यवस्था में अच्छी कसावट लाई गई है तथा शहर साफ-सुथरा दिखता है, मैं निगम के इस कदम की सराहना करता हूँ। एम.पी.नगर निवासी पवनदास दीवान का कहना है कि चैक-चैराहों में स्माल गार्डनिंग कर रंग-बिरंगे फूलदार पौधे निगम द्वारा लगाए गए हैं, इससे शहर की सुंदरता बढ़ रही है, आने-जाने वाले लोग अनायास ही इनसे आकर्षित हो रहे हैं।

छाती के दुर्लभ कैंसर का सफल ऑपरेशन, अम्बेडकर अस्पताल रायपुर में बची मरीज की जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के कैंसर सर्जरी विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कैंसर सर्जरी विभाग की टीम ने छाती के एक दुर्लभ एवं जटिल कैंसर; मेडियास्टाइनल जर्म सेल ट्यूमर का सफल ऑपरेशन कर एक बार फिर एक 29 वर्षीय पुरुष मरीज की जान बचाई। मरीज छाती में गांठ, सांस लेने में तकलीफऔर लगातार दर्द की शिकायत के साथ अस्पताल पहुंचा था।

कैंसर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष गुप्ता ने केस की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि- पूर्व में मरीज का उपचार एम्स रायपुर के कैंसर विभाग में चल रहा था, जहां बायोप्सी जांच में मेडियास्टाइनल जर्म सेल ट्यूमर की पुष्टि हुई। प्रारंभिक जांच में छाती के बीच स्थित गांठ का आकार लगभग 13×18×16 सेंटीमीटर पाया गया, जो हृदय के समीप बड़ी रक्त नलियों से चिपकी हुई थी। उच्च जोखिम को देखते हुए एम्स रायपुर के चिकित्सकों ने पहले कीमोथेरेपी देने का निर्णय लिया।

जनवरी 2025 से जून 2025 तक मरीज को छह चक्र कीमोथेरेपी दी गई, जिससे गांठ का आकार घटकर 4×3×4 सेंटीमीटर रह गया। इसके बाद मरीज को एम्स रायपुर से रेफर कर डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के कैंसर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष गुप्ता के पास भेजा गया। डॉ. गुप्ता ने सभी जांच रिपोर्टों का गहन परीक्षण करने के बाद सर्जरी का निर्णय लिया। गांठ की संवेदनशील स्थिति को देखते हुए हृदय सर्जरी विभागाध्यक्ष से परामर्श लिया गया तथा निश्चेतना विभाग से सर्जरी की फिटनेस प्राप्त की गई। लगभग 3 से 4 घंटे तक चली इस जटिल सर्जरी में गांठ को बाएं फेफड़े के एक हिस्से सहित अत्यंत निपुणता से निकाला गया।

सर्जरी पूरी तरह सफल रही और मरीज को कुछ दिनों के उपचार के बाद स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उपचार के बाद मरीज समय- समय पर फॉलोअप के लिए चिकित्सालय आ रहा है। इस जटिल ऑपरेशन में डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. के. के. साहू, डॉ. किशन सोनी, डॉ. गुंजन अग्रवाल, डॉ. सुश्रुत अग्रवाल, डॉ. समृद्ध, डॉ. लावण्या, डॉ. सोनम एवं डॉ. अनिल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मेडियास्टाइनल जर्म सेल ट्यूमर छाती के मध्य भाग में जर्म कोशिकाओं से उत्पन्न होने वाला दुर्लभ कैंसर है, जो सामान्यत: 20 से 40 वर्ष आयु वर्ग के पुरुषों में पाया जाता है। इसके प्रमुख लक्षणों में खांसी, सांस लेने में तकलीफऔर छाती में दर्द शामिल हैं। इस कैंसर का उपचार कीमोथेरेपी एवं सर्जरी के माध्यम से किया जाता है, जिसमें सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट और रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट मिलकर कार्य करते हैं। यदि इस कैंसर का समय रहते पता चल जाए और उचित उपचार किया जाए तो पांच वर्षीय सर्वाइवल रेट 90 प्रतिशत से अधिक होता है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

खाना बना रही महिला की साड़ी में लगी आग, मौत

रायगढ। रायगढ़ धरमजयगढ़ के वार्ड नंबर 12, नीचेपारा में खाना बनाते समय महिला की साड़ी में आग लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गई। परिजनों ने आग बुझाकर उसे तत्काल सिविल हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां से गंभीर स्थिति में रायगढ़ रेफर किया गया। एक सप्ताह तक चले इलाज के बाद महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतका खेबा माली (47) घर में 21 दिसंबर की शाम करीब 6 बजे चूल्हे पर खाना बना रही थी। इसी दौरान उसकी साड़ी में अचानक आग लग गई और देखते ही देखते आग पूरे शरीर में फैल गई। परिवार के लोग कुछ समझ पाते उससे पहले महिला के कमर के नीचे दोनों पैर बुरी तरह झुलस गए थे। प्राथमिक उपचार के बाद रायगढ़ रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कोतवाली पुलिस ने मर्ग दर्ज कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच में जुटी है।

फसल गिरदावरी कार्य में लापरवाही, पटवारी निलंबित

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरापुर जिले में फसल गिरदावरी कार्य में लापरवाही करने पर रामचंद्रपुर तहसील में पदस्थ पटवारी विवेक शुभम वैभव के खिलाफ निंलबन का एक्शन लिया गया है। इस संबंध में कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने आदेश जारी किया है। रामचंद्रपुर तहसील में फसल गिरदावरी में लापरवाही की शिकायत सामने आने पर जांच कराई गई। जांच में पटवारी विवेक शुभम वैभव की लापरवाही और उदासीनता पाई गई, जिसे छग सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-3 (1) (2) (3) के विपरित माना गया। पटवारी को छग सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के उपनियम (1) (क) के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय कलेक्टर (भू-अभिलेख शाखा) जिला बलरामपुर-रामानुजगंज भेज दिया गया है। निलंबन अवधि में पटवारी विवेक शुभम वैभव को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

मड़ई मेले में चाकूबाजी, पार्षद समेत दो लोग गंभीर घायल

बालोद। जिले में चाकूबाजी की एक गंभीर घटना सामने आई है। डौंडीलौहारा में आयोजित मड़ई मेला देखने पहुंचे दल्लीराजहरा के कांग्रेस पार्षद सहित दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया गया। हमले में दोनों को गले, सिर और पेट में गंभीर चोटें आई हैं, जिनका इलाज अस्पताल में जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, दल्लीराजहरा से छह युवक सोमवार को मड़ई मेला देखने डौंडीलौहारा पहुंचे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर युवकों का दूसरे गुट से विवाद हो गया। बहस बढ़ते ही आरोपियों ने भरे मेले में अचानक चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में दल्लीराजहरा वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद पावेंद्र कोडप्पा और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद दोनों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए चाकूबाजी के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जंगल में तेंदुए का हमला ग्रामीण गंभीर घायल

डोंगरगढ़। थाना क्षेत्र के मोहारा पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम लोझरी में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब जंगल से नीम की पत्तियां तोड़ने गए एक ग्रामीण पर तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में केजउ राम कंवर गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि तेंदुए के पंजों से ग्रामीण के सिर पर गहरी चोट आई। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोंगरगढ़ लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर उसे राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। डोंगरगढ़ क्षेत्र की यह घटना वन्यजीव प्रबंधन और मानव सुरक्षा के बीच बढ़ते असंतुलन की गंभीर चेतावनी के रूप में देखी जा रही है।

यूट्यूब देखकर सीखा नकली नोट छापना, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने नकली नोट छापकर उसे बाजार में खपाने वाली शातिर दंपति को गिरफ्तार किया है। साधारण से दिखने वाले पति पत्नी ने यूट्यूब से छपाई सीखी और एचपी का कलर प्रिंटर ऑनलाइन ऑर्डर किया। पाटन व आसपास के कई दुकानदारों को नकली नोट थमाकर शातिरों ने सामान खरीदा। रानीतराई में नकली नोट खपाते हुए पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से पुलिस ने एक लाख 70 हजार से ज्यादा की फेक करेंसी जब्त की। साथ ही पुलिस ने प्रिंटर, पेपर आदि भी जब्त किया।

धमतरी निवासी तुलेश्वर सोनकर ने बताया कि वह अपनी पत्नी सरिता सोनकर ग्राम रानीतराई के साप्ताहिक बाजार में सब्जी बेचने आये थे। शाम लगभग 5.30 बजे इसके पास एक व्यक्ति और एक महिला पहुंचे और 60 रुपए का मटर और मिर्च खरीद कर 500 रुपए का नोट दिए। 500 का नोट अपने गल्ला में रख लिया कुछ देर बाद मंडी वाले माधव सोनकर ने व्यापारियों को बताया कि बाजार में नकली नोट चल रहा है। तब इसने अपने गल्ला को बारीकी से देखा वह नकली नोट लगा, जिसका नंबर 9ईपी43736 है।

इसके बाद पता चला कि दोनों ने इसके साथ-साथ रानीतराई के बाजार में अन्य व्यापारियों भावेश देवागंन कौही, आदो राम बेलवाकुदा, दीपक साहू, संतोष देवागंन असोगा, शीतल यादव डिधारी, चंद्रिका बाई खपरी, रोहित सोनकर सब्जी मण्डी, भूपेन्द्र पटेल खपरी के पास भी सामान खरीद कर नकली नोट चलाया है। इसके बाद इन सभी ने पुलिस को सूचना दी। थाना रानीतराई पुलिस ने इस मामले में धारा 178, 179, 180, 181 एवं 3(5) बीएनएस दर्ज किया और बाजार पहुंचकर साप्ताहिक बाजार पहुंची नकली नोट चलाने वाले अरूण कुमार तुरंग एवं इसकी पत्नी राखी तुरंग को पकड़ा।

आरोपी अरूण कुमार तुरंग से पूछताछ करने पर नकली नोट छापकर बाजार में चलाना स्वीकार किया । आरोपी ने बताया कि इसने ऑन लाईन कलर प्रिण्टर, फोटो कापी एवं पेपर मंगाया था। 500 रुपए रुपए का नकली नोट छापा और उसे काटकर पाटन के बाजार में चलाया एवं रानीतराई के साप्ताहिक बाजार में चला रहा था। वह अपनी पत्नी के साथ 5200 रुपए के नकली नोट लेकर रानीतराई में बाजार करने गया था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के निवास सोनपैरी, मुजगहन, जिला रायपुर पहुंचकर तलाशी लेने पर कलर प्रिंटर, 1,65,300 रुपए के नकली नोट कुल 1,70,500 रूपए के नकली नोट जब्त किया गया।

कबीर नगर में हेरोईन के साथ पकड़ाये पति-पत्नी,लाखों का माल बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस ने कबीर नगर थानाक्षेत्र से पति-पत्नी को मादक पदार्थ हेरोईन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लाखों रूपये का हेराईन बरामद किया है। आरोपियों ने अपने घर में पलंग के अंदर हेरोईन छिपाकर रखा था जिसे पुलिस ने तलाशी के बाद बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

मिली जानकारी के अनुसार थाना कबीर नगर पुलिस टीम को थाना क्षेत्र अंतर्गत एलआईजी 02/20 कबीर नगर में हरप्रीत कौर नामक महिला के द्वारा प्रतिबंधित मादक पदार्थ हेरोईन (चिट्टा) बिक्री हेतु रखने की सूचना मिली थी।

जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर थाना प्रभारी कबीर नगर के नेतृत्व में थाना कबीर नगर की पुलिस टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबिर के द्वारा बताये स्थान पर जाकर एलआईजी 02/20 कबीर नगर में घेराबंदी किया गया जहाँ हरप्रीत कौर नामक महिला मिली जिसे मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) रखने के संबंध में अवगत कराकर उसके घर की तलाशी ली गई तो उसके घर के पलंग के दराज में एक प्लास्टिक जिपर थैली में मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) मिला जिसके संबंध में पूछताछ करने पर उसके पति जोधा सिंग द्वारा पंजाब से बिक्री हेतु लाना बताया गया जिसे उक्त प्रतिबंधित मादक पदार्थ रखने व बिक्री करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत ना कर टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा था।

जिस पर आरोपिया हरप्रीत कौर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक पैकेट प्लास्टिक जिपर थैली मे रखे मादक पदार्थ हेरोईन (चिटटा) वजन 16.01 ग्राम किमती करीबन 3,20,000 रूपये व मोबाईल को जप्त किया गया एवं आरोपी जोधा सिंग भी उसी समय आया जिसे पकड़कर अवैध मादक पदार्थ हेरोइन रखने के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किया कि आरोपी जोधा सिंग से मोबाइल को जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना कबीर नगर में धारा- 21(बी) एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया।

शटर तोड़कर ट्रेडर्स दुकान में चोरी रिसाली-भिलाई में बड़ी वारदात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के रिसाली नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत कृष्णा टॉकीज रोड स्थित मैत्री नगर में रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात साई ट्रेडर्स में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया।

अज्ञात चोरों ने पाइप और सेनेटरी की दुकान का शटर तोड़कर करीब 2 लाख 25 हजार रुपए कैश पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय दुकान का सीसीटीवी कैमरा बंद था, जिससे चोरों की पहचान नहीं हो सकी है। दुकान संचालक उमाकांत यादव ने पुलिस को जानकारी दी कि उनकी दुकान मैत्री नगर प्लाट नंबर-01, फेस-6 में है।

रविवार को छुट्टी होने के कारण शाम करीब 5 बजे उन्होंने कैश काउंटर और शटर में ताला लगाकर दुकान बंद कर दी थी। सभी कर्मचारी अपने घर चले गए थे। रात लगभग 2:20 बजे गली के चौकीदार बहादुर उर्फ जगदीश शर्मा ने उमाकांत यादव को उनके घर पर जगाया और बताया कि दुकान का शटर खुला हुआ है।

सूचना मिलते ही उमाकांत यादव तत्काल दुकान पहुंचे, जहां उन्होंने शटर टूटा हुआ पाया। इसके बाद उन्होंने तुरंत 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचित किया। पुलिस के पहुंचने पर दुकान के भीतर जांच की गई। जांच में पता चला कि कैश काउंटर के एक गल्ले का लॉकर तोड़ा गया था, जिसमें रखे 500 रुपए के चार बंडल, यानी लगभग 2 लाख रुपए गायब थे। इसके अलावा, दूसरे खंड के लॉकर से 10 और 20 रुपए के सिक्के और 50, 100 और 500 रुपए के नोट सहित करीब 25 हजार रुपए भी चोरी कर लिए गए।

झारखंड ले जा रहे 5 मवेशी, पुलिस ने की घेराबंदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। एसएसपी शशि मोहन सिंह के मार्गदर्शन में जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन शंखनाद के तहत जशपुर पुलिस को गौ-तस्करी के खिलाफ एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है।

चौकी सोनक्यारी पुलिस ने ग्रामीणों की सजगता से 5 मवेशियों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 29 दिसंबर की दोपहर की बताई जा रही है। ग्राम कोयलीबथान निवासी प्रार्थी जगदेव राम अपने साथियों के साथ बलादरपाठ की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान जंगल के रास्ते उन्होंने देखा कि दो व्यक्ति चुपचाप मवेशियों को हांकते हुए आगे बढ़ रहे हैं। गतिविधि संदिग्ध लगने पर ग्रामीणों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया और तत्काल इसकी सूचना सोनक्यारी चौकी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और

घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम किशोर मिंज उम्र 43 वर्ष और बुलकन तिर्की उम्र 40 वर्ष, दोनों थाना सन्ना क्षेत्र के निवासी, बताया। उन्होंने स्वीकार किया कि वे 5 गौ-वंशों को पैदल हांककर झारखंड के ग्राम गोविंदपुर ले जा रहे थे। मामले में छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6 और 10 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

कोयला हेराफेरी : तीन आरोपी गिरफ्तार, अब तक 13 पकड़े गए

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में कोयला हेराफेरी के एक बड़े मामले में पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस प्रकरण में अब तक कुल 13 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मामला गेवरा खदान से निजी कंपनी के लिए भेजे गए कोयले की अवैध हेराफेरी से जुड़ा हुआ है।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए नए आरोपियों में सूरज खांडे, जगदेव भास्कर और राहुल वस्त्रकार शामिल हैं। इनमें से एक आरोपी सुपरवाइजर, दूसरा पेट्रोलिंग टीम का सदस्य और तीसरा ट्रेलरों में लगे जीपीएस सिस्टम को हटाने व

तकनीकी छेड़छाड़ करने में विशेषज्ञ बताया जा रहा है। पुलिस ने इन तीनों के खिलाफ कोयला हेराफेरी, धोखाधड़ी और तकनीकी छेड़छाड़ सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

कोयला डंप किए बिना जमा करते थे टीपी

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी जयरामनगर साइडिंग पर कोयला डंप करने के बजाय केवल टीपी (ट्रांसपोर्ट परमिट) जमा कर देते थे और कोयले को दूसरी जगह भेजकर अवैध रूप से खपा देते थे। इस तरीके से अब तक करीब 365 टन कोयले की हेराफेरी की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 5 लाख 76 हजार रुपये बताई जा रही है। मामले में उपयोग किए गए 6 ट्रेलर भी पुलिस ने जब्त किए हैं।

अदानी कंपनी की शिकायत पर शुरू हुई जांच

दीपका थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि यह पूरा मामला अदानी कंपनी की शिकायत के बाद सामने आया। प्रारंभिक जांच में ही कोयला परिवहन में बड़े स्तर पर अनियमितता उजागर हुई, जिसके बाद लगातार कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की जा रही है।

जांच जारी, और गिरफ्तारियों के संकेत

इस प्रकरण में पहले ही लक्ष्मण कुमार, तुषार खंडे, गोपी किशन सोनझरी, दुर्गेश कुमार साहू और अतीक मेमन सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस का कहना है कि जांच अभी जारी है और जैसे-जैसे नए साक्ष्य सामने आएंगे, मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

शराब के लिए पैसे नही देने पर चाकू से जानलेवा हमला,आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। जिले के बहेराडीह गांव में शराब पीने तथा शराब पीने के लिए पैसे देने से मना करने पर एक व्यक्ति पर चाकू से जानलेवा हमला कर फरार होने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तर कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू भी जप्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मंगलुराम यादव निवासी बहेराडीह अपने दिनांक 29दिसम्बर को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया था कि वह शाम करीबन 4:30 बजे घर से तेली तालाब की ओर गया था

और वापस आते समय पड़ोस के ओमप्रकाश यादव से मिला और ओम प्रकाश यादव के द्वारा उसे शराब पीने के लिए बोला गया जिसे प्रार्थी के द्वारा मना कर दिया गया।

जिस पर ओमप्रकाश यादव ने धमकाते हुए शराब पीने या फिर शराब पीने के लिए पैसा देने बोला गया और इस बात को लेकर आरोपी ओमप्रकाश गाली गलौज करने करते हुए पास रखें चाकू से प्रार्थी की हत्या करने की नीयत से गले पर प्राण घातक हमला कर दिया।

हमले में गला काटने से अत्यधिक खून निकलने लगा और आरोपी ओम प्रकाश यादव मौके से भाग गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना चापा में तत्काल हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी सूचना जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप, एसडीओपी चापा यदुमणी सिदार को दी गई जिस पर अधिकारियों द्वारा तत्काल आरोपी की गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश प्राप्त हुए इसके क्रम में थाना चापा से एक टीम मौके की ओर रवाना किया गया पुलिस टीम के द्वारा आरोपी को पकड़ा गया।

आरोपी से पूछताछ करने पर प्रारंभिक तौर पर गुमराह करते रहे परंतु बारीकी से पूछताछ करने पर आरोपी ने प्रार्थी मंगलू राम यादव के साथ चाकू से प्राण घातक हमला करना स्वीकार किया । जिसकेस बाद आरोपी ओम प्रकाश यादव के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू जप्त किया गया तथा आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

दोस्तों से मिलने अस्पताल से निकला नवजात का पिता खदान में मिला मृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। ऊर्जाधानी के कुसमुंडा कोयला खदान क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध मौत से सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान बोईदा निवासी चंद्रशेखर पटेल के रूप में हुई है, जो कुसमुंडा खदान में ही एक निजी ठेका कंपनी में कार्यरत था। युवक अपनी पत्नी के प्रसव के लिए अस्पताल आया था।

जानकारी के अनुसार, चंद्रशेखर की पत्नी ने हाल ही में शहर के एक अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। परिजनों ने बताया कि वह अस्पताल से अपने दोस्तों से मिलने सर्वमंगला चैकी क्षेत्र के ग्राम सोनपुरी गया हुआ था। रविवार रात 10 बजे उसने दोस्तों से विदा ली और यह कहकर निकला कि वह वापस अस्पताल जा रहा है।

जब चंद्रशेखर देर रात तक न तो अस्पताल पहुंचा और न ही घर, तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। रात भर तलाश करने के बाद सोमवार सुबह परिजनों ने सोशल मीडिया पर उसकी फोटो साझा कर लोगों से मदद की अपील की। पुलिस को सूचना मिली कि कुसमुंडा खदान के मुहाने पर एक युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही सर्वमंगला चैकी प्रभारी वैभव तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर मौजूद लोगों और परिचितों ने मृतक की पहचान चंद्रशेखर के रूप में की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्च्युरी भेज दिया है। चैकी प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

छ.ग. गृह निर्माण मण्डल, वृत्त-दुर्ग

प्रथम निविदा आमंत्रण

विज्ञापन क्र. 63

निक्षेप कार्य अंतर्गत नगर पंचायत स.लोहारा, जिला-कबीरधाम में नवीन कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय निर्माण कार्य हेतु प्रपत्र "**अ**" में राशि रू. 226.19 लाख की ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत '**ब**' एवं उपर श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण मण्डल वेबसाईट **www.cghb.gov.in** एवं **http://eproc.cgstate.gov.in** में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग-कवर्धा के मो.नं. 94242-09025 पर सम्पर्क करें।

उपायुक्त

S-46396/4

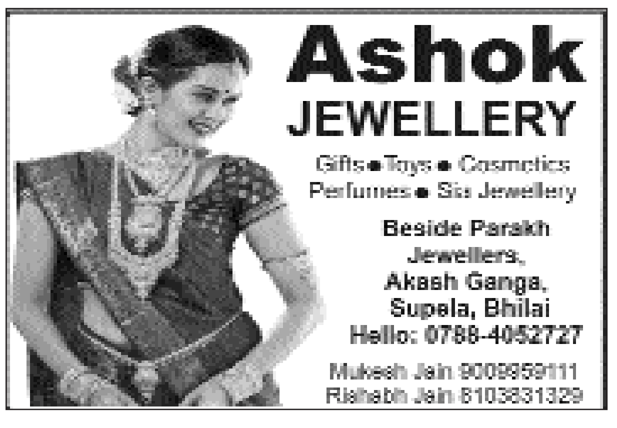

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'जशक्राफ्ट' एवं जशपुर की जनजातीय मातृशक्ति के कौशल की सराहना

जनजातीय गौरव और विकास की राह पर आगे बढ़ता छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुमला (झारखंड) में आयोजित अंतर्राज्यीय जन-सांस्कृतिक समागम 'कार्तिक जतरा' कार्यक्रम में जशपुर जिले की स्व-सहायता समूहों से जुड़ी जनजातीय महिलाओं के कार्यों, कौशल और आत्मनिर्भरता की प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से 'जशक्राफ्ट' से जुड़ी बहनों के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके द्वारा तैयार किए जा रहे आभूषण एवं पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद महिला सशक्तिकरण के सशक्त उदाहरण हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जशपुर वनमंडल अंतर्गत वन प्रबंधन समिति शब्दमुंडा, ग्राम कोटानपानी के स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को जनजातीय सृजनशीलता, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक संरक्षण का प्रेरक प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास न केवल आजीविका के साधन बढ़ाते हैं, बल्कि परंपरागत कला और हस्तशिल्प को नई पहचान भी दिलाते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जशपुर की जनजातीय मातृशक्ति, विशेषकर 'जशक्राफ्ट' से जुड़ी बहनों के कौशल और स्वावलंबन की प्रशंसा पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम कोटानपानी की स्व-सहायता समूह की बहनों द्वारा तैयार आभूषण एवं पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महिलाओं की मेहनत व सृजनात्मकता के जीवंत प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति का यह स्नेहपूर्ण आशीर्वाद और प्रोत्साहन जनजातीय मातृशक्ति के आत्मविश्वास, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प तथा वोकल फॉर लोकल की भावना को और अधिक सशक्त करेगा। उन्होंने जशपुर की समस्त जनजातीय बहनों की ओर से राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान जनजातीय हस्तशिल्प, पारंपरिक लोककला तथा स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि दल ने जशपुर जिले की विशिष्ट शिल्प परंपरा और स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन कर जनजातीय सशक्तिकरण का सशक्त संदेश दिया।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि युवाओं और आने वाली पीढ़ियों को जनजातीय समुदायों की परंपराओं से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। अपनी जनजातीय विरासत और पहचान को सुरक्षित रखते हुए हमारे युवाओं को आधुनिक विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनजातीय समुदाय के सभी सदस्य अपनी धरोहर को संजोए रखते हुए प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह अत्यंत सौभाग्य की बात है कि मांझाटोली (झारखंड) में अंतरराज्यीय जन सांस्कृतिक समागम - कार्तिक यात्रा का आयोजन हुआ है। यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक विरासत का सम्मान है, बल्कि जनजातीय समाज को जोड़ने वाला सेतु भी है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए गर्व और आस्था दोनों का विषय है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संपूर्ण देश भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाता है।भगवान बिरसा मुंडा केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि जंगल, जल और जमीन की रक्षा के प्रतीक हैं। उनकी प्रेरणा ने आदिवासी समाज में आत्मगौरव की भावना को सशक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंकजराज साहेब कार्तिक उरांव जैसे जननायकों ने भी शिक्षा, सामाजिक एकता और जनजातीय पहचान के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि एक समय था जब बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद ने विकास के रास्ते रोक रखे थे। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं वहां तक नहीं पहुंच पाती थीं लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नीति के कारण अब स्थितियाँ बदल रही हैं। बस्तर में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं, सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हुई है और शासन व्यवस्था गांव-गांव तक पहुंच रही है।

उन्होंने कहा कि नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। 400 से अधिक गांव नक्सली प्रभाव से मुक्त हो चुके हैं और लोगों के जीवन में नई उम्मीद जगी है। आज उन इलाकों में सड़क, बिजली, पानी, राशन, चिकित्सा सुविधाएं और शिक्षा के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। बस्तर के लोग लंबे समय से शांति और विकास चाहते थे, और अब उनका यह सपना धरातल पर उतरता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में भी राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह भी हर्ष का विषय है कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में ही झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों का गठन संभव हो पाया। उन्होंने कहा कि आज इन राज्यों की जनता अपने अलग पहचान और तेज़ी से प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि तीनों राज्यों का यह सांस्कृतिक संगम आगे भी शांति, प्रगति और समृद्धि का संदेश देता रहेगा तथा नक्सलवाद पर निर्णायक विजय का अध्याय आने वाले समय में पूरा होगा।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से 33 सड़कों को मिली प्रशासनिक स्वीकृति

150.56 करोड़ की लागत से होंगे निर्माण कार्य, ग्रामीण कनेक्टिविटी होगी और अधिक सशक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण की दिशा में सरकार निरंतर ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े के सतत प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 150.56 करोड़ रुपये की लागत से 33 सड़क निर्माण एवं उन्नयन कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इस महत्वपूर्ण निर्णय से भैयाथान एवं ओड़गी विकासखंड के ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा।

निर्माण एवं उन्नयन विभाग द्वारा जारी स्वीकृति के अनुसार, जिन सड़कों को मंजूरी दी गई है, वे लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग में शामिल थीं। इन मार्गों के निर्माण से सुदूर एवं पिछड़े ग्रामों की मुख्य सड़कों से सीधी और सुगम कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, व्यापार तथा अन्य सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों को नया प्रोत्साहन मिलेगा।

स्वीकृत कार्यों में 28.99 करोड़ रुपये की लागत से ओड़गी नवाटोला रोड (8.20 किमी से धुईडीह पंडोपारा) का निर्माण प्रमुख है। इसके अतिरिक्त भवरखोह से जमड़ी मार्ग (9.50 करोड़ रुपये), खोंड नवापारा से केसर मार्ग (8.73 करोड़ रुपये), माड़र से भाड़ी नवापारा मार्ग (8.38 करोड़ रुपये) तथा भैयाथान विकासखंड अंतर्गत भौराही देवालय से शिवपुर मार्ग सहित अन्य महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन किया जाएगा।

इन सड़कों के निर्माण से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा, बल्कि किसानों को कृषि उपज के परिवहन में सुविधा मिलेगी, विद्यार्थियों को शिक्षा संस्थानों तक पहुंच आसान होगी तथा आम नागरिकों को दैनिक जीवन में राहत प्राप्त होगी। साथ ही, सड़क नेटवर्क के विस्तार से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सड़क निर्माण कार्यों की स्वीकृति पर महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि 150.56 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत ये सड़कें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएंगी और क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि सभी निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तथा निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएंगे।

इन स्वीकृतियों से क्षेत्रवासियों में उत्साह और सकारात्मक वातावरण बना है तथा यह विश्वास व्यक्त किया जा रहा है कि मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ होकर क्षेत्र के विकास को नई गति और दिशा प्रदान करेंगे।

संवेदनशील शासन की पहल से संवरता भविष्य

विशेष स्कूल से सामान्य स्कूल तक गणेश कश्यप की प्रेरक यात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम झुलन (पकरिया) निवासी 12 वर्षीय गणेश कश्यप का बचपन कठिन परिस्थितियों में बीता। बहु दिव्यांगता, अल्प मानसिक मंदता एवं सेरेब्रल पाल्सी (हेमीप्लेजिया) से ग्रसित गणेश के परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर थी। रोजी-रोटी के लिए माता-पिता को दूसरे प्रदेश में मजदूरी करने जाते थे, जिससे गणेश का नियमित रूप से स्कूल जाना संभव नहीं हो पा रहा था। नामांकन सामान्य स्कूल में था, पर प्रवासी जीवन ने उसकी शिक्षा को लगभग रोक दिया था।

शासन की संवेदनशील सोच ने ऐसे समय में गणेश के जीवन को नई दिशा दी। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जांजगीर स्थित शासकीय बहु दिव्यांग गृह सह छात्रावास दिव्यांग बच्चों के लिए संबल बनकर सामने आया। यहां 50 बहु दिव्यांग बालकों को आवास, भोजन, विशेष शिक्षण एवं प्रशिक्षण की सुविधाएं पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।

गणेश का इस छात्रावास में प्रवेश हुआ। छात्रावास में प्रवेश के बाद गणेश को विशेष शिक्षकों के मार्गदर्शन में शिक्षण के साथ-साथ सामाजिक व्यवहार, आत्मनिर्भरता और स्वयं के कार्य करने का प्रशिक्षण दिया गया। असामान्य व्यवहार में सुधार और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए गए। धीरे-धीरे गणेश में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट दिखाई देने लगे और उसकी सीखने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

मुख्यधारा में समावेशन की सफल मिसाल

समाज कल्याण विभाग के उद्देश्य अनुसार दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना को साकार करते हुए गणेश को कक्षा 5वीं की परीक्षा सामान्य स्कूल से दिलाई गई। सत्र 2024-25 में गणेश ने सामान्य विद्यालय से कक्षा 5वीं की परीक्षा सफलता पूर्वक उत्तीर्ण की। यह उपलब्धि उसके लिए ही नहीं, बल्कि पूरे संस्थान के लिए गर्व का क्षण रही। आज गणेश शासकीय माध्यमिक शाला, पेण्ड्री में कक्षा 6वीं का नियमित छात्र है। वह पूरे आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई कर रहा है और परीक्षा देना उसे अच्छा लगता है। शिक्षक भी उसकी प्रगति से संतुष्ट हैं और उसके उज्ज्वल भविष्य को लेकर आशावान हैं।

अपने बच्चे को सामान्य स्कूल में पढ़ते और आगे बढ़ते देखकर गणेश के माता-पिता अत्यंत प्रसन्न हैं। वे भावुक होकर समाज कल्याण विभाग और शासकीय बहु दिव्यांग गृह सह छात्रावास के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिनके सहयोग से उनके बच्चे को नई पहचान और नया भविष्य मिला।

डिजिटल व्यवस्था और धान के सर्वाधिक मूल्य से किसान हो रहे समृद्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में धान खरीदी तिहार किसानों के लिए खुशहाली लेकर आया है। राज्य सरकार द्वारा धान का सर्वाधिक समर्थन मूल्य तथा पारदर्शी और तकनीक आधारित खरीदी व्यवस्था से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। धान उपार्जन केन्द्रों में लागू डिजिटल टोकन प्रणाली एवं सरल प्रक्रियाओं ने धान विक्रय को सुगम, सरल और आसान बना दिया है।

सरगुजा जिले के अंबिकापुर विकासखंड अंतर्गत मेंड्राकला धान उपार्जन केन्द्र में धान विक्रय के लिए पहुंचे ग्राम पंचायत भिट्ठी कला के रहने वाले लघु किसान श्री श्याम लाल ने बताया कि उनके पास कुल 111.80 क्विंटल धान का रकबा है। उन्होंने बताया कि पहले उन्होंने धान उपार्जन समिति के माध्यम से टोकन कटवाया था, जहां किसानों की अधिक भीड़ के कारण समय अधिक लगा। इसके बाद उन्होंने किसान तुहंर टोकन ऐप का उपयोग कर घर बैठे ही 22.80 क्विंटल का अपना टोकन काटा लिया। किसान श्याम लाल ने बताया कि डिजिटल टोकन सुविधा से टोकन काटना बेहद आसान हो गया है। अब समिति केन्द्र के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ते, जिससे समय, श्रम और खर्च की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था किसानों को सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि धान उपार्जन केन्द्र पहुंचते ही नमी परीक्षण सहित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं त्वरित रूप से पूर्ण की गईं तथा समय पर बारदाना उपलब्ध कराया गया। तौल की प्रक्रिया भी पूरी तरह सुव्यवस्थित रही और धान विक्रय में किसी प्रकार की समस्या नहीं आई।

कृषक श्याम लाल ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान का सर्वाधिक मूल्य दिया जा रहा है, जिससे किसानों को बड़ा आर्थिक लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष धान विक्रय से प्राप्त आय से उन्होंने खेत में बोर कराया, जिससे सिंचाई की साधन उपलब्ध हुआ। वर्तमान में वे खेती का विस्तार करते हुए गेहूं, दलहन, तिलहन एवं सब्जी की खेती भी कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने विश्राम गृह निर्माण का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पवित्र सावन माह में अमरकंटक से मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर दुर्गम एवं कठिन रास्तों से पदयात्रा करते हुए कवर्धा स्थित भगवान बूढ़ा महादेव में जलाभिषेक करने आने वाले हजारों श्रद्धालु कांवड़ियों के लिए आज एक ऐतिहासिक सौगात मिली। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कांवड़ियों की सुविधा और विश्राम के लिए 1 करोड़ 54 लाख 72 हजार रूपए की लागत से बनने वाले श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर कांवड़िया विश्राम गृह (डोम) के निर्माण कार्य का विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। भूमिपूजन कार्यक्रम से पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भगवान बूढ़ा महादेव मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक किया एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर सांसद संतोष पाण्डेय, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, पूर्व विधायक योगेश्वर राज सिंह, अशोक साहू, जिला पंचायत सभापति डॉ. बीरेन्द्र साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, जनपद उपाध्यक्ष गणेश तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेश राम धुर्वे, श्रीमती विजयलक्ष्मी तिवारी, सतविंदर पाहुजा सहित समस्त पार्षद, जनप्रतिनिधि, श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव सेवा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान बूढ़ा महादेव न केवल कवर्धा बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आस्था का एक प्रमुख केंद्र है। यह स्थल सदियों से श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र रहा है। प्रत्येक वर्ष पवित्र सावन माह में बड़ी संख्या में कांवड़िये अमरकंटक से मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर कठिन एवं दुर्गम मार्गों से पैदल यात्रा करते हुए भगवान बूढ़ा महादेव में जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। कांवड़ियों की इस कठिन तपस्या, अटूट आस्था एवं श्रद्धा को दृष्टिगत रखते हुए उनके विश्राम एवं आवश्यक सुविधाओं के लिए श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर में कांवड़िया विश्राम गृह (डोम) का निर्माण किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं आरामदायक रूप से ठहरने की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के अमरकंटक क्षेत्र में भी कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए शीघ्र ही भूमि भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे छत्तीसगढ़ सहित कवर्धा एवं अन्य जिलों से अमरकंटक जाने वाले कांवड़ियों और श्रद्धालुओं को वहां ठहरने की बेहतर व्यवस्था मिल सकेगी।

सावन माह में कावंडियों को मिलेगी सुविधा

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह भवन सावन माह के दौरान एक माह तक विशेष रूप से कांवड़ियों के लिए आरक्षित रहेगा, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ठहरने की सुविधा मिलेगी। शेष 11 माह यह भवन नगरवासियों के लिए विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों के लिए उपलब्ध रहेगा।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि भोरमदेव क्षेत्र के समग्र विकास के लिए 146 करोड़ रुपये की लागत से भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। यह कॉरिडोर उज्जैन एवं बनारस की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिससे भोरमदेव मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण होने के साथ-साथ श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि नववर्ष के अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की गरिमामयी उपस्थिति में भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम जिलेवासियों के लिए गर्व का विषय है, जो कवर्धा को धार्मिक एवं पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने समस्त नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से इस ऐतिहासिक अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया।

सांसद संतोष पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर में कांवड़िया विश्राम गृह (डोम) निर्माण पूरे क्षेत्र के लिए अत्यंत गर्व और आस्था का विषय है। कवर्धा की ख्याति आज पूरे देश में धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से स्थापित हो चुकी है। श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर को श्रद्धालुओं द्वारा 'छोटा काशी' के रूप में जाना जाता है। श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर में 24 घंटे चलने वाला राम नाम संकीर्तन भगवान की विशेष कृपा और आशीर्वाद का प्रतीक है, जिससे सम्पूर्ण क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक वातावरण बना रहता है।

पूर्व विधायक योगेश्वर राज सिंह ने कहा कि आज भगवान बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर में कांवड़िया विश्राम गृह (डोम) निर्माण कार्य का शुभारंभ अत्यंत हर्ष का विषय है। अन्य शिवालयों में सामान्यतः एक ही शिवलिंग की पूजा-अर्चना का विधान है, जबकि भगवान पंचमुखी श्री बूढ़ा महादेव मंदिर में एक साथ 25 शिवलिंगों के दर्शन एवं पूजा का पुण्य लाभ प्राप्त होता है। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि आज का दिन कवर्धा नगर एवं समस्त श्रद्धालु कांवड़ियों के लिए अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का अवसर है। पवित्र सावन माह में मां नर्मदा का जल लेकर भगवान बूढ़ा महादेव में जलाभिषेक करने आने वाले कांवड़ियों के लिए कांवड़िया विश्राम गृह (डोम) एक बड़ी सौगात है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950